RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:233। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com

!! अहमदाबाद , (शनिवार)18 अप्रैल 2026 !!

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-

लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल

नहीं मिला दो तिहाई बहुमत

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में शुक्रवार को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका, जिसके चलते यह पारित नहीं हो पाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की कि विधेयक को अपेक्षित बहुमत नहीं मिलने के कारण इसे पारित नहीं माना जा सकता।

इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मतदान के दौरान विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े, जबकि 230 सदस्यों ने इसका विरोध किया। कुल 528 सांसदों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया और किसी ने भी मतदान से दूरी नहीं बनाई। संविधान के अनुच्छेद 368 के उपबन्धों के अनुसार सभा के कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा और सभा में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा पारित नहीं हुआ।

इस घटनाक्रम के बाद सरकार ने इससे जुड़े दो अन्य विधेयक केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 को भी वापस लेने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि ये तीनों विधेयक आपस में गहराई से जुड़े हुए थे, इसलिए इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

रिजिजू ने विधेयक को महिलाओं को विधायिकाओं में आरक्षण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने महिलाओं को उनका अधिकार देने के प्रयास का समर्थन नहीं किया। विपक्ष ने साथ नहीं दिया बहुत खेद की बात है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि सरकार महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'महिलाएं देख रहीं, उनकी राह का रोड़ा कौन है', लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोले अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और 'परिसीमन' पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल... इन पांच राज्यों की 543 सीटों में वर्तमान संख्या 129 है, जिसका प्रतिशत 23.76 बनता है। अब वृद्धि के बाद जब इन पांचों राज्यों का आवंटन किया जाता है तो सीटों की संख्या 129 से बढ़कर 195 हो जाएगी। 816 में इसका प्रतिशत निकालेंगे तो 23.87 आएगा। पहले 23.76 प्रतिशत था और अब 23.87 होगा। किसी का कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैं इस देश की मातृशक्ति से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस पार्टी ने जो प्रस्ताव रखा है, वह एक सुनियोजित जाल है, ताकि महिला आरक्षण को फिर से 2029 से पहले लागू न होने दिया जाए।

इसलिए ये जो कहते हैं कि हमारे राज्यों को समान भार होना चाहिए, मैं सहमत हूं। महिला आरक्षण बिल 2029 से पहले लागू होगा। 2029 के बाद ले जाने के लिए इनके षड्यंत्र को हम सफल नहीं होने देंगे। मैं समझता हूं कि अगर ये वोट नहीं देंगे तो महिला आरक्षण बिल गिर जाएगा, लेकिन देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है। अमित शाह ने कहा कि मैं इस देश की महिलाओं को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस पार्टी द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव, महिलाओं के लिए आरक्षण को 2029 के बाद

तक टालने के लिए रची गई एक सोची-समझी साजिश है, इसलिए मैं उन सभी का समर्थन करता हूं जो हमारे राज्यों में समान प्रतिनिधित्व की वकालत करते हैं। महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से पहले लागू होना चाहिए। हम इस महत्वपूर्ण सुधार को 2029 के बाद तक टालने की उनकी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। यहां कुछ सदस्यों ने भ्रांति फैलाई कि मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं यहां संविधान की नीतियों को स्पष्ट करना चाहता हूं। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है। इंडिया महागठबंधन वाले तुष्टिकरण की राजनीति के कारण मुस्लिम आरक्षण की मांग खड़ी करना चाहते हैं, और ये संविधान की बात करते हैं। कोई मुझे बता दे कि संविधान के किस अनुच्छेद में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को मान्यता नहीं देता है।

विशेष कवरेज: धर्मद्रोही माफियाओं का महा-विनाश

फेक वीडियो का कचरा फैलाकर करोड़ों की फिरौती मांगने वाला 'हुडिया-पारेख' गिरोह बेनकाब! ग्रुप एडिटर पवन माकन की खुली चेतावनी— 'धमकी देने वाले सुन लें, तुम्हारी जेल जाने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। ' आस्था पर प्रहार करने वाले 'आस्तीन के सांपों' का अब होगा सामाजिक और कानूनी संहार।

धर्म के लुटेरों का 'डेथ वारंट'! सूरत में जिनालय के खिलाफ हनीट्रैप, ब्लैकमेलिंग और इंटरनेशनल साजिश का पर्दाफाश

सूरत। जब गीदड़ों की मौत आती है, तो वे शहर की तरफ भागते हैं... और जब ब्लैकमेलरों का अंत आता है, तो वे धर्म की शरण को कलंकित करने की कोशिश करते हैं! सूरत के वेसु में बनने वाला श्री अभय पार्श्वनाथ भगवान जिनालय आज उन 'डिजिटल डकैतों' की आंखों में चुभ रहा है, जिन्होंने आस्था को धंधा बना लिया है। 'महानगर मेट्रो' आज उस अंतरराष्ट्रीय गिरोह की धज्जियां उड़ा रहा है, जो मुनि भगवंतों के नाम पर करोड़ों की उगाही का गंदा खेल खेल रहा है।

साजिश का 'पोस्टमार्टम': फेक वीडियो और ब्लैकमेलिंग

सावधान रहिए! यह गिरोह 'मॉर्फ्ड' और 'फेक' वीडियो के जरिए समाज के गौरवशाली संतों को बदनाम करने की साजिश रच रहा है। जो वीडियो डेढ़ साल पहले ही जांच एजेंसियों द्वारा 'कचरा' और 'झूठा' साबित किए जा चुके हैं, उन्हें हथियार बनाकर 23 अप्रैल के 'अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव' को रोकने की धमकी दी जा रही है। इनका मकसद न धर्म की रक्षा है, न समाज की भलाई– इनका एकमात्र लक्ष्य है 'करोड़ों की प्रोटेक्शन मनी'!

गद्दारों की कुंडली: कौन हैं ये समाज के कलंक?

1. हार्दिक हुडिया (मुंबई): गद्दारी का दूसरा नाम! खुद को जैन समाज का बताने वाला यह कथित पत्रकार मुंबई में बैठकर वेसु के मंदिर को तोड़ने की साजिश रच रहा है। यह प्रशासन को गुमराह करने के लिए दिन-रात फर्जी अर्जियां लगा रहा है।

2. जगत पारेख (अहमदाबाद): आपराधिक इतिहास वाला वो मोहरा, जिसका काम सिर्फ और सिर्फ समाज में भय फैलाकर फिरौती वसूलना है।

पवन माकन का प्रहार: 'कलम भी मेरी, कफन भी मेरा!' खबर प्रकाशित होते ही हार्दिक हुडिया की रूह कांप गई और उसने ग्रुप एडिटर पवन माकन को डराने की कोशिश की। हुडिया, कान खोलकर सुन लो– तुम्हारी गीदड़ भभकियों से महानगर मेट्रो की स्याही नहीं सूखती। 'पत्रकारिता जब संकल्प बनती है, तो माफियाओं के साम्राज्य ढह जाते हैं। हुडिया! तुम्हारी धमकियां गवाह हैं कि हमने तुम्हारी दुखती रग पर हाथ रखा है। हम रुकेंगे नहीं, जब तक तुम सलाखों के पीछे चक्की नहीं पीसते!' – पवन माकन, ग्रुप एडिटर

प्रशासन को अल्टीमेटम: गलत कदम की कीमत भारी होगी

महानगर मेट्रो स्पष्ट शब्दों में सूरत महानगर पालिका (SMC) और पुलिस प्रशासन को आगाह करता है– इन ब्लैकमेलरों की झूठी और मनगढ़ंत शिकायतों पर कोई भी कार्रवाई करना आत्मघाती होगा। अपराधी धर्मगुरुओं और संस्थाओं पर दबाव बनाने के लिए प्रशासन का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर प्रशासन ने इन 'डिजिटल डकैतों' का साथ दिया, तो जनता का आक्रोश सड़कों पर उतरेगा, जिसकी जिम्मेदारी आपकी होगी।

अब केवल 'चमत्कार' होगा!

पैसों की हवस में अपने ही भगवान के घर को तोड़ने की कोशिश करने वाले ये दुष्ट तत्व भूल गए हैं कि भगवान महावीर के न्याय की लाठी बेआवाज़ होती है। जैन समाज अब इन पापियों के 'सामाजिक बहिष्कार' और 'कानूनी अंत' की तैयारी कर चुका है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नहीं होना चाहिए विरोध

●सुमित्रा महाजन, कंगना और हेमा मालिनी का राहुल गांधी पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संबोधन पर भाजपा सांसदों ने नाराजगी जताई है। वहीं, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि सभी दलों को मिलकर इस बिल को पास करना चाहिए, विपक्ष विरोध क्यों कर रहा है? पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि मैंने पूरी बहस देखी है। आरक्षण का बिल पास हो गया है, लेकिन अब आरक्षण देने की बात आ रही है, सीटें बढ़ाई जा रही हैं, तो उसे अपनाना चाहिए। पांच साल बाद फिर इसे बदला जा सकता है। इसमें विरोध की क्या बात है? इसमें राजनीति नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कोई अधिकार मिल रहा है, तो सबको मिलकर खुशी-खुशी इसे पास करना चाहिए। मेरा मानना है कि विरोध न हो, तो ज्यादा ठीक है। मेरा विश्वास है कि सभी मिलकर इसे पास करेंगे। मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने राहुल गांधी के बयान पर कहा कि हर कोई गंभीरता से इस पर चर्चा कर रहा है और राहुल गांधी मजाक कर रहे हैं। वे गंभीर नहीं हैं। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में हेमा मालिनी ने कहा कि सब लोग इस मुद्दे पर गंभीरता से बोल रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी मजाक कर देते हैं। इससे सारी गंभीरता खत्म हो जाती है। वे लोग विरोध कर रहे हैं। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा कि राहुल गांधी अपने बचपन के ट्रॉमा और मैजिक शो के बारे में बोल रहे थे। वह अपनी दादी द्वारा सुनाई गई कहानियों का जिक्र कर रहे थे। स्पीकर को उन्हें टोकना पड़ गया। जब अध्यक्ष ने कहा कि आप ये सब कहना बंद करिए, तो उन्होंने कहा कि आपको मजे आएंगे, आप मजे लीजिए। पूरा देश उन्हें देख रहा है और वे संसद भवन को मजाक बनाकर रख दिए हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने बातचीत में कहा कि महिला आरक्षण को हम सभी मिलकर पहले ही पास कर चुके हैं, लेकिन अब इस विधेयक के नाम पर देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने की कोशिश की जा रही है और परिसीमन करना चाहते हैं, यह सहमति के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण दिखाकर वे परिसीमन लागू करना चाहते हैं, यह हमें मंजूर नहीं है। संसद में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने एक बार भी परिसीमन का जिक्र नहीं किया, जबकि यह बिल उसी से जुड़ा हुआ है। भाजपा अपने हिसाब से देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने की कोशिश में है। ये सभी घबराए हुए हैं। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने इस बिल को देशद्रोही बताया।

'हां, हम पत्नी के पैर छूते हैं', लोकसभा में रवि किशन ने विपक्षियों को दी खास सलाह

रवि किशन ने कहा, "आज का दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और मैं संविधान से जुड़े तीनों विधेयकों का समर्थन करता हूं।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण पर चर्चा में भाग लेते हुए शुक्रवार को भाजपा सांसद रवि किशन ने अपने अंदाज में कहा कि 'हां हम पत्नी के पैर छुइलां...' उनकी इस बात पर सदन में मौजूद सदस्यों के साथ ही पीठासीन जगदंबिका पाल भी मुस्कुरा उठे। संबोधन की शुरुआत में रवि किशन ने कहा, "आज का दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और मैं संविधान से जुड़े तीनों विधेयकों का समर्थन करता हूं। ये कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नए भारत के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है, जिसने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया।" इसी दौरान उन्होंने महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बताने पर विपक्ष को आड़े हाथ लिया और कहा, "ये कोई चुनावी मुद्दा नहीं है। विपक्ष महिला आरक्षण का विरोधी है।"

रवि किशन ने अपने बचपन और गरीबी के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा, "मेरे गांव और घर में उस समय चूल्हा और शौचालय जैसी सुविधाएं नहीं थीं। ऐसे में मैंने महिलाओं के दर्द को देखा है। वह शौच के लिए शाम के अंधेरे का इंतजार करती थीं, उस अंधेरे के दर्द को मैंने अपने घर में भी महसूस किया। मैंने चूल्हा फूंकते हुए अपनी दादी की आंखों को भी तकलीफ में देखा है।" उन्होंने आगे कहा, "पीएम मोदी आए, तो महिलाओं के उस दर्द का निस्तारण हुआ, देश जागरुक हुआ। देश की महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, चाहे वह पढ़ाई हो या खेल। फिर क्यों ये दरवाजे उन महिलाओं को रोक रहे हैं। 140 करोड़ की आबादी में 70 करोड़ महिलाएं हैं।" इस बीच सदन में हल्का-फुल्का माहौल तब बना जब पीठासीन जगदंबिका पाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, "आपका प्रचार तो आपकी पत्नी ही करती हैं।'

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी की बढ़ी मुश्किलें

●हाई कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का दिया आदेश

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की कथित दोहरी (ब्रिटिश) नागरिकता से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अहम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने रायबरेली जिले के कोतवाली थाना पुलिस को राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस को पूरे मामले की जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने पारित किया। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। इस मामले में याचिकाकर्ता विग्नेश शिशिर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे 'ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला' बताते हुए कहा कि माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए रायबरेली के कोतवाली थाना को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक

जनहित से जुड़ा हुआ है।

विग्नेश शिशिर ने अपने पोस्ट में यह भी दावा किया कि अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े तथ्यों को रखा गया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया और कहा कि उनके द्वारा 'टॉप सीक्रेट फाइल्स' को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की अनुमति दी गई। याचिकाकर्ता के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत में यह भी आग्रह किया गया कि मामले की जांच को केंद्रीय एजेंसी को सौंपा जाए। इस पर अदालत ने जांच को सीबीआई को ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी है। विग्नेश शिशिर ने यह भी कहा कि इस मामले को आगे बढ़ाने के दौरान उन्हें गंभीर सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की है कि उनकी सुरक्षा को बढ़ाकर देशभर में उच्चतम स्तर तक किया जाए और सीआरपीएफ के माध्यम से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने देशवासियों, समर्थकों और 'राष्ट्रवादी भाइयों-बहनों' का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके समर्थन, आशीर्वाद और प्रार्थनाओं के बिना वह इस महत्वपूर्ण मामले को आगे नहीं बढ़ा पाते। साथ ही उन्होंने आगे की कानूनी प्रक्रिया में भी सभी के सहयोग और ईश्वर के आशीर्वाद की अपेक्षा जताई है।

सीएम योगी ने 'जनता दर्शन' में सुनी 200 लोगों की समस्याएं

बोले त्वरित समाधान कराएं अधिकारी

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, 'घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी।' शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी बातें सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या/शिकायत का संज्ञान लिया। फिर, अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

घटिया बीज मामले में कंपनी पर एफआईआर

किसानों को मुआवजे के निर्देश: शिवराज चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के धार और खरगोन जिलों के किसानों को घटिया बीज और पौध सामग्री से हुए नुकसान मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार, मध्य प्रदेश के धार और खरगोन के किसान यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और करेला की फसल में भारी नुकसान की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से बीज और पौधे खरीदे थे, लेकिन फसल अपेक्षित उत्पादन नहीं दे सकी। फलों का आकार छोटा रहा, वे पीले पड़ गए और समय से पहले गिरने लगे, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धार जिले के मनावर थाने में 'ननहेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार, मध्य प्रदेश के धार और खरगोन के किसान यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और करेला की फसल में भारी नुकसान की जानकारी दी।

प्राथमिकी दर्ज की है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराओं 3 और 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत दर्ज की गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि किसानों को प्रमाणित बताकर निम्न गुणवत्ता वाले बीज और उनसे तैयार पौधे बेचे गए। शिकायत के अनुसार, इससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई। किसानों ने 17 फरवरी 2026 को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने जांच की। शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल फसल खराब होने का मामला नहीं है, बल्कि किसानों के विश्वास, मेहनत और पूंजी पर सीधा आघात है, इसलिए इस पर गंभीरता से कार्रवाई आवश्यक है।उन्होंने कहा कि किसानों के साथ अन्याय, लापरवाही या धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार प्रभावित किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार, इस मामले में एक साथ दो स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है। पहला, प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाना और दूसरा, दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करना।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश ने लोगों दी राहत

18 अप्रैल (शनिवार) को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के अनुमान है।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को लगातार पिछले दो दिनों से गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच शुक्रवार को हुई हल्की बारिश ने बड़ी राहत दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। यहां शाम को उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हवा 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार चलने के आसार हैं। 18 अप्रैल (शनिवार) को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के अनुमान है। राजधानी में अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी के अधिकतर स्थानों का तापमान अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की चेतावनी दी है। इस दिन हवाओं की गति भी 10 और 15 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। 19 अप्रैल को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं और अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस रहने जबकि न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। कुछ स्थानों का तापमान सामान्य से काफी अधिक रह सकता है।

राजकोट का चुनावी दंगल: किसी के पास किलो भर सोना, तो कोई 40 करोड़ का मालिक

नयनाबा जडेजा के पास 17 करोड़ की संपत्ति; भाजपा के नरेंद्र सिंह सबसे धनवान उम्मीदवार

महानगर मेट्रो

राजकोट । राजकोट में चुनावी बिगुल बजते ही उम्मीदवारों के बीच 'शक्ति प्रदर्शन' के साथ-साथ 'संपत्ति प्रदर्शन' की होड़ भी शुरू हो गई है। हालिया नामांकन पत्रों के साथ दाखिल हलफनामों (Affidavit) ने सबकी आंखें फटी की फटी रख दी हैं। जनता के सेवक बनने की रेस में शामिल ये उम्मीदवार करोड़ों की संपत्ति और किलो भर सोने के मालिक हैं।

कांग्रेस उम्मीदवार के पास 2.4 किलो सोना

राजकोट कांग्रेस के उम्मीदवार अपनी संपत्ति को लेकर सुर्खियों में हैं। हलफनामे के अनुसार, उनके पास 2 किलो 400 ग्राम सोना है। बाजार भाव के अनुसार इस सोने की कीमत करोड़ों में है। राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस के ये नेता जी न सिर्फ वोटों से, बल्कि सोने की चमक से भी विरोधियों को टक्कर देने के लिए तैयार हैं।

नयनाबा जडेजा: 17 करोड़ की मालकिन

स्टार क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन और कांग्रेस नेत्री नयनाबा जडेजा की संपत्ति का ब्योरा भी सामने आया है। नयनाबा के नाम पर कुल 17 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति दर्ज है। क्रिकेट और राजनीति के इस संगम वाले परिवार की साख और संपत्ति, दोनों ही इस चुनाव में चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं।

भाजपा के नरेंद्र सिंह: 40 करोड़ के साथ सबसे अमीर

संपत्ति के मामले में सत्ताधारी दल भाजपा के उम्मीदवार नरेंद्र सिंह सबको पीछे छोड़ते हुए सबसे आगे निकल गए हैं। 40 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ वह भाजपा के सबसे धनवान उम्मीदवार बनकर उभरे हैं। आलीशान बंगले, महंगी गाड़ियां और करोड़ों का निवेश उनकी इस चुनावी प्रोफाइल को और भी वजनदार बना रहा है।

महानगर मेट्रो का विशेष विश्लेषण:

* अमीर उम्मीदवार बनाम आम जनता: एक तरफ जनता महंगाई से जूझ रही है, वहीं दूसरी तरफ उम्मीदवारों की संपत्ति में हर साल इजाफा हो रहा है।
* क्या संपत्ति जीत की गारंटी है? राजकोट की जनता क्या उम्मीदवार के बैंक बैलेंस को देखकर वोट देगी या उनके काम को?

निष्कर्ष:

राजकोट के इस रण में अब मुकाबला सिर्फ दावों और वादों का नहीं रहा, बल्कि यह 'करोड़पतियों की जंग' में तब्दील हो चुका है। अब देखना यह है कि जनता इस वैभव को देखकर प्रभावित होती है या बुनियादी मुद्दों पर अडिग रहती है।

पंजाब में नौकरी के नाम पर 'भीख' और गुजरात में विकास की 'सीख'

35,000 सरकारी नौकरियों का वादा निकला खोखला; युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली 'अराजकता' को गुजरात में नो एंट्री

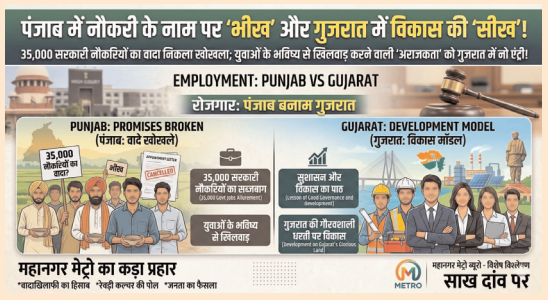

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद । राजनीति में लोक-लुभावन वादे करना और उन्हें धरातल पर उतारना, दो अलग बातें हैं। पंजाब की सत्ता हथियाने के लिए जिस पार्टी ने 35,000 सरकारी नौकरियों का सब्जबाग दिखाया था, आज उसी पंजाब का युवा सड़कों पर कटोरा लेकर 'नौकरी की भीख' मांगने पर मजबूर है। युवाओं के सुनहरे भविष्य को अंधकार में धकेलने वाली ताकतें अब गुजरात की गौरवशाली धरती पर आकर 'विकास' का पाठ पढ़ाने की जुर्रत कर रही हैं।

कहाँ हैं 35,000 नौकरियां? पंजाब मांग रहा जवाब!

पंजाब के बेरोजगार युवाओं के सब्र का बांध अब टूट चुका है। चुनाव के वक्त बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स और विज्ञापनों में जिस रोजगार का दावा किया गया था, वह हकीकत में कहीं नजर नहीं आ रहा।

* भविष्य से खिलवाड़: क्या डिग्रियां हाथ में लेकर सड़क पर उतरना ही पंजाब के युवाओं की नियति है?
* झूठ का पुलिंदा: नौकरियों के नाम पर केवल आंकड़ेबाजी की गई, जबकि जमीन पर युवा आज भी नियुक्ति पत्र (Appointment Letter) का इंतजार कर रहे हैं।

अराजकता फैलाने वालों के लिए गुजरात में कोई जगह नहीं!

जिस मॉडल ने पंजाब जैसे खुशहाल प्रदेश को कर्ज और अव्यवस्था के दलदल में धकेल दिया, वह गुजरात को विकास क्या सिखाएगा? गुजरात की जनता भली-भांति जानती है कि जहाँ सुशासन होता है, वहाँ युवाओं को हाथ फैलाना नहीं पड़ता।

* गुजरात बनाम पंजाब: एक तरफ गुजरात का विकास मॉडल है जो देश को दिशा दे रहा है, और दूसरी तरफ वह मॉडल है जो केवल 'अराजकता' और 'भ्रम' फैलाता है।
* सावधान गुजरात: पंजाब की बदहाली को देख रहे गुजरात के जागरूक नागरिक अब पूरी तरह सतर्क हैं।

महानगर मेट्रो का कड़ा प्रहार:

* वादाखिलाफी का हिसाब: क्या युवाओं के भविष्य के साथ छेड़छाड़ करना ही नई राजनीति है?
* रेवड़ी कल्चर की पोल: विज्ञापन पर करोड़ों खर्च करने वाली सरकार युवाओं को रोजगार देने में क्यों पीछे है?
* जनता का फैसला: क्या गुजरात की शांतिप्रिय जनता ऐसी शक्तियों को स्वीकार करेगी जो केवल खोखले वादे करना जानती हैं?

निष्कर्ष:

गुजरात की पहचान उसकी मेहनत और स्थिरता से है। पंजाब में युवाओं के सपनों को कुचलने वाली 'AAP' की राजनीति को गुजरात ने सिरे से खारिज करने का मन बना लिया है। संदेश साफ है– 'भ्रम फैलाने वालों को गुजरात में एक भी मौका नहीं मिलेगा!'

केजरीवाल केस में 'बेंच हंटिंग' का शोर: क्या जस्टिस शर्मा छोड़ देंगे साथ

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली के बहुचर्चित आबकारी नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कानूनी लड़ाई अब एक नए और तीखे मोड़ पर आ गई है। यह जंग अब सिर्फ सबूतों और गवाहों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें 'बेंच हंटिंग' जैसे गंभीर आरोपों की एंट्री हो गई है। जांच एजेंसियों के इस प्रहार ने कानूनी गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

क्या है 'बेंच हंटिंग' का गंभीर आरोप?

जांच एजेंसियों (ED और CBI) ने कोर्ट में बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए केजरीवाल की कानूनी टीम पर 'बेंच हंटिंग' का आरोप लगाया है।

* पसंदीदा जज की तलाश: कानून की भाषा में 'बेंच हंटिंग' का अर्थ होता है–किसी खास जज या बेंच के सामने मामला ले जाने की कोशिश करना, जहाँ से राहत मिलने की उम्मीद ज्यादा हो।

* एजेंसियों का दावा: ED का कहना है कि केजरीवाल के वकील बार-बार याचिकाएं बदलकर या तकनीकी दांव-पेच खेलकर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सुनवाई उनकी पसंद की बेंच में हो। यह न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा के खिलाफ है।

आम आदमी पार्टी का पलटवार

दूसरी ओर, केजरीवाल की लीगल टीम इन आरोपों को निराधार बता रही है। उनका तर्क है कि एजेंसियां सिर्फ मामले को लटकाने और मुख्यमंत्री को जेल में रखने के लिए इस तरह के 'माइंड गेम्स' खेल रही हैं।

'न्याय में देरी करना भी अन्याय है, लेकिन प्रक्रिया पर सवाल उठाना जांच एजेंसियों का नया हथियार बन गया है।' – बचाव पक्ष की दलील।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: साख दांव पर

यह मामला अब केवल बेल (जमानत) तक सीमित नहीं है। यह न्यायपालिका की उस व्यवस्था की परीक्षा है जहाँ एक तरफ देश के सबसे रसूखदार राजनेता हैं और दूसरी तरफ देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसियां। जस्टिस शर्मा का अगला कदम दिल्ली की राजनीति और केजरीवाल के भविष्य की दिशा तय करेगा।

जस्टिस शर्मा पर टिकीं निगाहें: क्या वे खुद को अलग करेंगे?

इस पूरे विवाद के केंद्र में अब जस्टिस शर्मा की बेंच है। सवाल उठ रहा है कि क्या इन तीखी दलीलों के बाद जस्टिस शर्मा इस केस की सुनवाई से खुद को अलग (Recuse) कर लेंगे?

* न्यायिक परंपरा: अक्सर जब किसी बेंच की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जाते हैं या प्रक्रिया को विवादित बनाया जाता है, तो जज स्वयं को केस से अलग कर लेते हैं।
* आगे की राह: अगर जस्टिस शर्मा केस छोड़ते हैं, तो मामले में और देरी होगी। और अगर वे सुनवाई जारी रखते हैं, तो एजेंसियों की आपत्ति के बीच फैसला देना एक बड़ी चुनौती होगी।

भाजपा के 'गढ़' में भ्रष्टाचार की सेंध! कहीं 25% कमीशन का खेल, तो कहीं पार्षद को गोद में उठाने की नौबत!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद । चुनाव के समय जो पार्टी 'विकास' के बड़े-बड़े दावे करती है, आज उसी दल के दिग्गजों के घर के बाहर विकास खुद 'वेंटिलेटर' पर नजर आ रहा है। अहमदाबाद में भाजपा के कद्दावर नेताओं और विधायकों के अपने ही निर्वाचन क्षेत्रों में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक अब भ्रष्टाचार की गंध फैलने लगी है।

निकोल में '25 प्रतिशत' मलाई का खेल?

भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी और विधायक जगदीश पंचाल के निर्वाचन क्षेत्र निकोल में सड़क निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार की चर्चाएं अब आम हो गई हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि निकोल में सड़कों के टेंडर पास करने के लिए सीधे 25 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही है। सवाल यह है कि जनता के टैक्स का पैसा विकास में लग रहा है या नेताओं की जेब भरने में? विशेषज्ञों का कहना है कि यदि 25 प्रतिशत हिस्सा कमीशन की भेंट चढ़ जाएगा, तो सड़क की गुणवत्ता क्या होगी, इसे समझने के लिए किसी इंजीनियर की जरूरत नहीं है। पहली बारिश में ही सड़कों का धुल जाना इस 'कमीशन प्रथा' का जीता-जागता प्रमाण है।

रिकॉर्ड जीत, फिर भी रास्ते नरक समान!

दूसरी ओर, अहमदाबाद में सबसे अधिक वोटों की लीड से जीतने का रिकॉर्ड बनाने वाली पूर्व पार्षद डॉ. कृष्णा ठाकर के इलाके की हालत और भी बदतर है। जिस नेता को जनता ने पलकों पर बिठाया, आज उनके क्षेत्र में सड़कों की हालत ऐसी है कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि खुद डॉ. कृष्णा ठाकर को सड़क पर चलने के बजाय लोगों द्वारा उठाकर (गोद में) ले जाने की नौबत आ गई। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

जनता के तीखे सवाल:

'पाको गुजरात' और स्थानीय नागरिक अब सत्तापक्ष से ये कड़वे सवाल पूछ रहे हैं:

* क्या यही भाजपा का 'मॉडल विकास' है?
* क्या जनता ने केवल नेताओं का कमीशन भरने और गड्ढों में चलने के लिए वोट दिया था?
* बंपर जीत हासिल करने वाले नेता चुनाव के बाद जनता को भूल क्यों जाते हैं?

निष्कर्ष:

यह तो महज एक ट्रेलर है। जानकारों का मानना है कि यदि निष्पक्ष जांच हो, तो कमीशन के आंकड़े और गड्ढों की गहराई, दोनों ही होश उड़ा देने वाले होंगे। फिलहाल, अहमदाबाद की जनता इस 'गड्ढा-राज' से बेहद गुस्से में है और आने वाले समय में इसका जवाब देने के लिए तैयार बैठी है।

लोकतंत्र में दोहरा मापदंड विपक्ष की मामूली चूक पर 'वार', अपनों के बड़े घोटालों पर 'पर्दा'

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/राजकोट: कहते हैं कानून की आंखें बंद होती हैं, लेकिन वर्तमान राजनीति को देखकर लगता है कि कानून की एक आंख खुली है– जो सिर्फ विपक्ष की गलतियों को ढूंढती है। गुजरात की सियासत में इन दिनों 'अजब-गजब' का खेल चल रहा है। यहाँ विपक्ष के उम्मीदवार के नामांकन फॉर्म में एक बिंदी की भी गलती हो जाए, तो उसे तुरंत 'अयोग्य' करार देकर चुनावी रण से बाहर कर दिया जाता है। लेकिन दूसरी तरफ, सत्ता की छांव में बैठे रसूखदार जब 'आंखों के सामने से पूरा का पूरा खेत चर जाते हैं', तब प्रशासन को कुछ दिखाई नहीं देता।

नियमों की 'कैंची' बनाम मेहरबानी की 'चादर'

हालिया घटनाक्रमों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या नियम सिर्फ उनके लिए हैं जो विरोध की आवाज उठाते हैं?

* विपक्ष का हाल: फॉर्म भरने में जरा सी मानवीय चूक हुई नहीं कि 'तकनीकी आधार' पर उसे रद्द कर

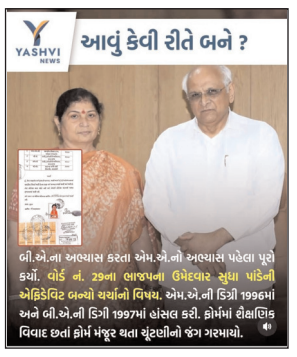

દिया गया। जैसे लोकतंत्र में सुधार का कोई मौका ही न बचा हो।

* सत्ता के करीबियों का हाल: बड़े-बड़े घोटालों और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद फाइलें दबा दी जाती हैं। यहाँ 'पूरा चीभड़ा' (साबुत फल) डकार लिया जाता है और डकार तक नहीं आती! इसे प्रशासन की मजबूरी कहें या सोची-समझी मेहरबानी?

जनता की अदालत में सुलगते सवाल

आम आदमी अब दबी जुबान में पूछ रहा है कि यह 'असंभव' खेल आखिर कब तक चलेगा? क्या व्यवस्था अब केवल 'चुनिंदा' लोगों की सुरक्षा के लिए बची है?

1. क्या फॉर्म रद्द करने वाली तत्परता घोटालों की जांच में दिखाई देगी?
2. क्या लोकतंत्र का मतलब अब सिर्फ तकनीकी खामियां निकालना रह गया है?

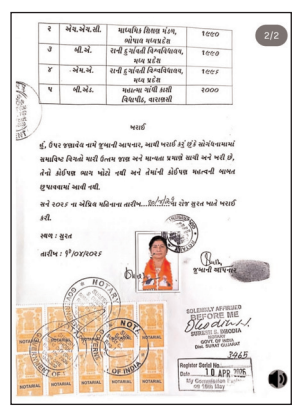

महानगर मेट्रो का सीधा कटाक्ष:

'विपक्ष की छोटी सी खरोंच पर आप सर्जरी करने बैठ जाते हैं, और अपनों के गहरे जख्मों पर मरहम के बजाय पर्दा डाल देते हैं। यह न्याय नहीं, सत्ता का अहंकार है।'

4 था पास ठग का 'फिल्मी' खेल: 4 पत्नियां, 50 तोला सोना और बॉलीवुड स्टार्स भी शिकार

शाही शौक, राजनीतिक रसूख और ठगी का ऐसा जाल कि चकरा गई पुलिस; पत्नी को कांग्रेस से लड़वाया चुनाव!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद । महानगर मेट्रो ब्यूरो कहते हैं कि अपराध के पैर नहीं होते, लेकिन इस शातिर ठग ने अपनी चालों से कानून को लंबे समय तक दौड़ाये रखा। मात्र चार कक्षा पास एक गुजराती शख्स ने अपनी ठगी के साम्राज्य से सबको हैरान कर दिया है। 50 तोला सोना पहनकर घूमने वाला यह शख्स जितना अपनी आलीशान जिंदगी के लिए जाना जाता था, उससे कहीं ज्यादा वह लोगों को चूना लगाने में माहिर निकला।

50 तोला सोना और 'गोल्डन' पहचान

इस ठग की सबसे बड़ी पहचान उसका शरीर पर लदा 50 तोला सोना था। गले में मोटी सोने की चेन और हाथों में भारी कड़े पहनकर वह जहां भी जाता, लोग उसके रसूख के कायल हो जाते। महंगी गाड़ियों का काफिला और लग्जरी लाइफस्टाइल देखकर किसी को शक भी नहीं होता था कि यह शख्स महज चौथी पास है और करोड़ों की ठगी को अंजाम देता है।

4 पत्नियां और राजनीतिक दांव-पेच

इस ठग की निजी जिंदगी किसी वेब सीरीज जैसी दिलचस्प है। उसने एक-दो नहीं, बल्कि चार शादियां की थीं। इतना ही नहीं, अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने और समाज में दबदबा बनाने के लिए उसने अपनी पत्नी को कांग्रेस पार्टी से चुनाव भी लड़वाया। राजनीति की आड़ में वह अफसरों और बड़े व्यापारियों पर धौंस जमाता था।

फिल्मी हस्तियों को भी लगाया चूना

इस 'गोल्डन ठग' के निशाने पर सिर्फ आम जनता ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े फिल्मी सितारे भी थे। वह बॉलीवुड एक्टर्स को बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश करने या फिल्म फाइनेंस करने के बहाने अपने जाल में फंसाता था। बड़े-बड़े होटल में मीटिंग करना और अपनी ऊंची पहुंच का दिखावा करना उसकी 'मोडस ऑपेरंडी' का हिस्सा था।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल:

* दिखावे की राजनीति: क्या राजनैतिक पार्टियां उम्मीदवारों को टिकट देने से पहले उनके बैकग्राउंड की जांच नहीं करतीं?
* अंधा विश्वास: क्या सिर्फ भारी-भरकम सोना और महंगी गाड़ियां देखकर किसी पर भरोसा करना सही है?
* कानून का खौफ: चार-चार शादियां और सरेआम ठगी करने वाले इस शख्स को कानून का डर क्यों नहीं लगा?

खुलासा:

फिलहाल यह 'शातिर खिलाड़ी' पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस अब इसकी चारों पत्नियों और ठगी के पैसे के निवेश की जांच कर रही है। आशंका है कि जांच की आंच कई सफेदपोशों तक भी पहुंच सकती है।

23 वर्ष बाद रीको औद्योगिक क्षेत्र भीनमाल में सड़कों के नवीनीकरण एवं मरम्मत की स्वीकृति जारी

पूर्व विधायक देवल ने पत्र लिखकर की थी उद्योग मंत्री राठौड़ से मांग

महानगर मेट्रो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। जालोर जिले की औद्योगिक एवं ऐतिहासिक नगरी भीनमाल में संचालित उद्योग इकाईयों के क्षेत्र रीको में स्थापना वर्ष 2003 में सड़कों का निर्माण हुआ था उसके बाद से तो जैसे रीको ने भीनमाल औद्योगिक क्षेत्र को अपने हाल पर ही छोड़ दिया। स्थिति यहां तक आ पहुंची कि वाणिज्यिक वाहनों का आवागमन तो दूभर हल्के निजी वाहनों का भी आवागमन अवरूद्ध हो गया। उद्योगपति खुद भी अपनी उद्योग इकाईयों तक आने में कतराने लगे। इसके बाद रीको औद्योगिक क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमण्डल ने रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल से मिलकर रीको औद्योगिक क्षेत्र में सड़को की मरम्मत एवं नवीनीकरण का काम करवाए जाने की मांग की। बदहाल हो चुके भीनमाल औद्योगिक क्षेत्र को करीब 23 साल बाद भी कोई विकास कार्य नहीं होने एवं उद्योगपतियों की मांग पर रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल ने रीको क्षेत्र भीनमाल की सुध लेकर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ 1 जनवरी, 2025 को पत्र लिखा और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का काम कराने की मांग की। करीब 1 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जब अपेक्षित कार्यवाही नहीं हुई तो नारायण सिंह देवल ने दोबारा 2 अप्रेल, 2026 को उद्योग मंत्री को फिर से पत्र लिखा और उस पत्र पर तत्काल कार्यवाही करते हुए स्वीकृति जारी कर दी। जिसके लिए 16 अप्रेल 2026 को करीब 329.97 लाख एवं 298.30 लाख रूपये की लागत से आधारभूत सुविधाओं यथा सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज इत्यादि विकास कार्य करवाए जाने की निविदा भी आमंत्रित की जा चुकी है। रीको औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों द्वारा रानीवाड़ा के पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल का आभार व्यक्त कर विकास कार्य स्वीकृत कराने पर खुशी जताई।

जूनागढ़ में कानून-व्यवस्था पर सवाल: मजदूर की बेरहमी से हत्या, इलाके में दहशत का माहौल

महानगर मेट्रो

जूनागढ़: गुजरात के जूनागढ़ से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के नजदीक स्थित डूंगरपुर गांव के पास अज्ञात हमलावरों ने एक 40 वर्षीय मजदूर की लाठी और डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद से स्थानीय निवासियों में भारी रोष और सुरक्षा को लेकर डर का माहौल है।

वारदात का विवरण

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक मजदूर अपने काम से लौट रहा था, तभी घात लगाकर बैठे अज्ञात बदमाशों ने उस पर हमला बोल दिया। हमलावरों ने युवक पर लाठी और डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। हमला इतना घातक था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सरेराह हुई इस हत्या ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

महानगर मेट्रो का सवाल

क्या अपराधियों के मन से पुलिस का खौफ खत्म होता जा रहा है? एक गरीब मजदूर की इस तरह दिनदहाड़े हत्या होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गहरा आघात है। स्थानीय लोगों की मांग है कि हत्यारों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाए।

जांच में जुटी पुलिस की टीमें

घटना की सूचना मिलते ही जूनागढ़ एसपी (SP) समेत भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुँचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक (FSL) की टीम भी मौके से सबूत जुटाने में लगी है।

'वारदात के पीछे का असल कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं।' – पुलिस प्रशासन

प्रमुख बिंदु:

* उम्र: मृतक की आयु 40 वर्ष बताई जा रही है।
* हथियार: हत्या में लाठी और डंडों (धोका) का इस्तेमाल किया गया।
* स्थान: डूंगरपुर गांव के पास, जूनागढ़।
* स्थिति: फिलहाल आरोपी फरार हैं, पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

'अवैध कनेक्शनों ने सुखाया स्कूल का पानी!' – देवपुरा कलां के संस्कृत विद्यालय में 6 साल से प्यासे बच्चे, प्रशासन बेखबर

महानगर मेट्रो

नगरफोर्ट। शिक्षा के मंदिर में पानी की एक-एक बूंद को तरसते बच्चे... और जिम्मेदार विभाग गहरी नींद में! देवपुरा कलां स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय में पेयजल संकट अब प्रशासन की नाकामी का खुला सबूत बन चुका है। विद्यालय बीसलपुर पेयजल योजना से जुड़ा होने के बावजूद नलों में महीनों से पानी नहीं आ रहा। कारण साफ है – गांव में मुख्य पाइपलाइन पर धड़ल्ले से लिए गए अवैध कनेक्शन, जिन पर रोक लगाने की जिम्मेदारी निभाने में प्रशासन पूरी तरह फेल साबित हुआ है। हैरानी की बात तो यह है कि स्कूल का हैंडपंप भी पिछले 5-6 साल से खराब पड़ा है, लेकिन आज तक उसे ठीक करवाने की जहमत किसी ने नहीं उठाई। कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं। स्थिति इतनी बदतर है कि पिछले 5 वर्षों से गांव के दलपत सिंह अपने निजी ट्यूबवेल से पानी उपलब्ध करवा रहे हैं। यानी सरकारी सिस्टम पूरी तरह फेल, और एक आम नागरिक के भरोसे चल रहा है स्कूल! छात्रों और शिक्षकों को रोजाना पानी के लिए जूझना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदारों को न तो बच्चों की सेहत की चिंता है और न ही शिक्षा के माहौल की। सवाल उठता है– आखिर कब जागेगा प्रशासन? और कब तक मासूम बच्चे इस लापरवाही की सजा भुगतते रहेंगे? अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

'लेडीज बाजार, लेकिन महिलाओं के लिए शौचालय नहीं!' – बड़ा तख्ता क्षेत्र की बदहाल व्यवस्था पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा

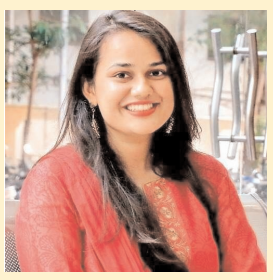

महानगर मेट्रो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। शहर के प्रमुख महिला बाजार के रूप में पहचान रखने वाले बड़ा तख्ता क्षेत्र की हकीकत बेहद चिंताजनक है। संवाददाता द्वारा जब स्थानीय व्यापारियों से बातचीत की गई, तो समस्याओं का ऐसा अंबार सामने आया जिसने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। व्यापारियों ने सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र शहर का मुख्य लेडीज बाजार है, जहां दूर-दराज से महिलाएं खरीदारी करने आती हैं, लेकिन उनके लिए शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। इससे महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है, जो सीधे तौर पर बाजार की छवि और व्यापार दोनों को प्रभावित कर रहा है। हालांकि व्यापारियों ने नई कलेक्टर *टीना डाबी* से उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि मैडम जनता की समस्याएं सुनती हैं और उन्होंने पूर्व में बाड़मेर व जैसलमेर में ऐसे कार्य किए हैं, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिला और बाहर से आने वाले ग्राहकों की संख्या में भी इजाफा हुआ। व्यापारियों को उम्मीद है कि टोंक में भी उनकी पहल से हालात सुधरेंगे। लेकिन समस्या सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। व्यापारियों ने बताया कि क्षेत्र में आवारा सांडों का आतंक इतना बढ़ गया है कि वे लड़ते-लड़ते दुकानों में घुस जाते हैं, जिससे कई बार दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसके अलावा संकरी गलियों में घरों से सटे बिजली के खंभों में लगातार स्पार्किंग होना एक बड़ा खतरा बना हुआ है। बिजली गुल होने पर विभाग कोई सुनवाई नहीं करता, और पिछली गर्मी में ट्रांसफॉर्मर में धमाके के साथ आग लगने की घटना ने लोगों को दहशत में डाल दिया था। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो यह क्षेत्र न केवल व्यापारिक रूप से पिछड़ जाएगा, बल्कि किसी बड़े हादसे का कारण भी बन सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इन गंभीर मुद्दों पर कार्रवाई करता है।

आसाराम आश्रम पर हाईकोर्ट का 'हथौड़ा': 'आदतों से मजबूर अपराधी' करार, 500 करोड़ की जमीन से हटेगा अतिक्रमण

महानगर मेट्रो

अहमदाबादः विवादों के घेरे में रहने वाले आसाराम आश्रम ट्रस्ट को गुजरात हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सख्त टिप्पणी करते हुए उसे 'हेबिचुअल ऑफेंडर' (आदतन अपराधी) करार दिया है। इसके साथ ही, सरकारी जमीन पर बने 500 करोड़ रुपये के भव्य आश्रम को ढहाने का रास्ता साफ हो गया है।

कोर्ट ने ठुकराई राहत की याचिका

आश्रम ट्रस्ट ने डिमोलिशन (ध्वस्तीकरण) की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट में अंतरिम राहत की गुहार लगाई थी। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ट्रस्ट ने बार-बार कानून का उल्लंघन किया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि 'कानून का सम्मान न करने वालों को किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जा सकती।'

करोड़ों की जमीन पर अवैध कब्जा

यह पूरा विवाद साबरमती तट और आसपास की बेशकीमती सरकारी जमीन से जुड़ा है। आरोप है कि ट्रस्ट ने सत्ता और रसूख का इस्तेमाल कर लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया और वहां आश्रम का निर्माण कर लिया। प्रशासन अब इस अवैध निर्माण को जमींदोज करने की पूरी तैयारी में है।

'न्यायालय ने साफ कर दिया है कि आस्था के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन अब किसी भी समय बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर सकता है।' – कानूनी विशेषज्ञ

प्रमुख बिंदुः

* सख्त टिप्पणीः हाईकोर्ट ने आश्रम ट्रस्ट को 'आदतन अपराधी' बताया।
* बड़ा नुकसानः 500 करोड़ की लागत से बना ढांचा अब मलबे में तब्दील होगा।
* प्रशासनिक जीतः अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सरकार की बड़ी कानूनी जीत।

महानगर मेट्रो का नज़रिया

यह फैसला उन सभी संस्थानों के लिए एक नजीर है जो धर्म की आड़ में सरकारी संपत्तियों पर कुंडली मारकर बैठे हैं। कानून के हाथ लंबे होते हैं और आखिरकार जीत न्याय की ही होती है। अब देखना यह है कि प्रशासन कितनी जल्दी इस कार्रवाई को अंजाम देता है।

110 की रफ्तार से दौड़ने लगीं समदड़ी-मोदरान के बीच ट्रेनें

-स्पीड अपग्रेड से समय की बचत

सुरक्षा और संचालन क्षमता में भी बढ़ोतरी

महानगर मेट्रो

जालोर (मुकेश सोलंकी)। उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को अधिक तीव्र,सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जोधपुर मंडल के समदड़ी-मोदरान रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी है। इस महत्वपूर्ण अपग्रेड से अब इस रूट पर रेल यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज,आरामदायक और समयबद्ध हो सकेगी। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड के अंतर्गत समदड़ी से मोदरान तक (किमी 0.00 से 93.690) इस गति वृद्धि को लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि रेलवे द्वारा किए गए व्यापक तकनीकी सुधारों का परिणाम है,जिसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना,ट्रैक का सुदृढ़ीकरण, विद्युतीकरण कार्य और अन्य आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड शामिल हैं । उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के दौरान रेलखंड पर विभिन्न स्थानों पर लागू अस्थाई एवं स्थाई गति प्रतिबंधों को भी हटाया गया है,जिससे अब ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू और निर्बाध रूप से संभव हो सकेगा। इसके साथ ही नई तकनीक से लैस अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली के कारण न केवल ट्रेनों की मूवमेंट अधिक व्यवस्थित हुई है,बल्कि संचालन की विश्वसनीयता और संरक्षा मानकों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

सुरक्षा व संरक्षा से कोई समझौता नही

डीआरएम के अनुसार,ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार और नियमित मेंटेनेंस के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है। यही कारण है कि इस रेलखंड पर गति बढ़ाने के बावजूद सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है। डीआरएम के अनुसार इस स्पीड अपग्रेड का सबसे बड़ा लाभ यात्रियों को मिलेगा। ट्रेनों की गति बढ़ने से यात्रा समय में कमी आएगी,जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक कम समय में पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही ट्रेन संचालन में समयपालन में भी सुधार होगा,जिससे यात्रियों को अनावश्यक देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सफर के दौरान बेहतर ट्रैक और उन्नत तकनीक के कारण झटकों में कमी आएगी और यात्रा अनुभव अधिक आरामदायक बनेगा।

रेल नेटवर्क को मिलेगा मजबूती

गति बढ़ने के साथ ही इस रेलखंड की लाइन क्षमता में भी वृद्धि हुई है,जिससे एक निश्चित समयावधि में अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। इससे न केवल यात्री ट्रेनों बल्कि मालगाड़ियों के संचालन को भी गति मिलेगी। रेलवे विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा किया गया यह स्पीड अपग्रेड रेलवे के निरंतर आधुनिकीकरण अभियान का हिस्सा है । आधुनिक तकनीकों को अपनाकर रेलवे न केवल अपनी सेवा गुणवत्ता में सुधार कर रहा है,बल्कि यात्रियों को सुरक्षित,तेज और विश्वसनीय यात्रा अनुभव देने के अपने लक्ष्य की ओर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विपक्ष का तीखा प्रहारः 'मोदी सरकार की छटपटाहट में उल्टी गिनती शुरू ', सपा सांसद राजीव राय का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली: देश की राजधानी में सियासी पारा एक बार फिर चढ़ गया है। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और सांसद राजीव राय ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि सरकार के पतन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने सरकार की हालिया रणनीतियों को 'हड़बड़ाहट' और 'घबराहट' का नतीजा बताया है।

'हार के डर से सरकार कर रही है ऐसी हरकतें '

सपा सांसद राजीव राय ने नई दिल्ली में पत्रकारों से चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार जमीनी हकीकत से डरी हुई है। उन्होंने कहा:

'मोदी सरकार की छटपटाहट और हड़बड़ाहट साफ दिखाई दे रही है। उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है, इसीलिए वे इस प्रकार की हरकतें कर रहे हैं। विपक्षी एकजुटता और जनता के आक्रोश से सरकार पूरी तरह विचलित है।'

किन मुद्दों पर घेरा?

राजीव राय का यह बयान हाल के कई राजनीतिक घटनाक्रमों के संदर्भ में आया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विपक्ष निम्नलिखित मुद्दों को लेकर सरकार को घेर रहा है:

* महिला आरक्षण और परिसीमनः विपक्ष का आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण को 'परिसीमन' और 'जनगणना' की शर्तों में उलझाकर इसे लंबा खींचना चाहती है।
* विपक्षी नेताओं पर कार्रवाईः केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर भी राजीव राय ने सरकार पर निशाना साधा।
* चुनावी स्टंटः उन्होंने कहा कि सरकार की छटपटाहट बताती है कि आने वाले चुनावों में भाजपा की राह आसान नहीं है।

प्रमुख बिंदुः

* आक्रामक तेवरः सपा सांसद ने सरकार के हालिया फैसलों को 'अंतिम समय की घबराहट' करार दिया।
* उल्टी गिनतीः विपक्ष का दावा है कि 2024 की बिसात पर सरकार की पकड़ कमजोर हो रही है।
* सियासी घमासानः इस बयान के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में बहस तेज हो गई है।

महानगर मेट्रो का विश्लेषण

समाजवादी पार्टी के सांसद का यह बयान उस समय आया है जब विपक्षी गठबंधन ' INDIA' मजबूती से अपनी आवाज उठा रहा है। राजीव राय के इन आरोपों पर अब सत्ता पक्ष की प्रतिक्रिया का इंतजार है। क्या वाकई सरकार 'हड़बड़ाहट' में है या यह विपक्ष की एक सोची-समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा है? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

प्रशासन की लापरवाही से गांधी पार्क वार्ड 48 प्यासा, बढ़ते संकट पर भड़के लोग

महानगर मेट्रो

टोंक। शहर के गांधी पार्क क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 48 (न्यू) में पेयजल संकट अब सीधे तौर पर प्रशासन की विफलता की कहानी बनता जा रहा है। पिछले करीब 6 महीनों से यहां दो दिन में एक बार सिर्फ 2 घंटे की जलापूर्ति की जा रही है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ी है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर पूरी तरह उदासीन नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। वार्ड निवासी सुरेश बुन्देल और सीताराम चावला ने बताया कि क्षेत्र में अधिकांश परिवार बीपीएल श्रेणी के हैं, जिनके पास पानी संग्रहण के पर्याप्त साधन नहीं हैं। ऐसे में अनियमित जलापूर्ति उनके लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन गई है। इलाके में न तो कुएं-बावड़ी जैसे वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध हैं और न ही पर्याप्त हैंडपंप लगाए गए हैं, जो प्रशासन की योजना विफलता को उजागर करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पर्याप्त बारिश और बीसलपुर परियोजना जैसे बड़े जल स्रोत होने के बावजूद आम जनता को पानी के लिए जूझना क्यों पड़ रहा है? यह स्थिति सीधे तौर पर जल प्रबंधन और वितरण प्रणाली में खामियों की ओर इशारा करती है। गुस्साए वार्डवासियों ने प्रशासन से रोजाना कम से कम 2 घंटे नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अहमदाबाद भाजपा में 'विस्फोट': अपनों ने ही खोली अपनों की पोल, मंत्री ऋषिकेश पटेल और अमराईवाड़ी विधायक पर फूटा आक्रोश का बम

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद भाजपा का 'अनुशासन' अब कागजों तक सीमित रह गया है। सत्ता की मलाई और टिकटों की बंदरबांट ने संगठन के भीतर वो आग लगा दी है, जिसकी लपटें अब गांधीनगर तक पहुँच रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल पर अपनों ने ही अविश्वास की मुहर लगा दी है, तो वहीं अमराईवाड़ी विधायक पर टिकट बेचने और 'वहीवट' (लेन-देन) करने के संगीन आरोपों ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है।

प्रमुख प्रहारः जो सत्ता की कुर्सी हिला देंगे

* समाज का द्रोह, राज्य का क्या होगा?: ऋषिकेश पटेल पर सीधा हमला बोलते हुए कहा गया है कि– 'जो शख्स अपने समाज का सगा नहीं हो सका, जिसने अपने लोगों के काम नहीं किए, वह खाक राज्य का भला करेगा?' यह सवाल नहीं, बल्कि मंत्री की साख पर लगा वो घाव है जो आसानी से नहीं भरेगा।
* अमराईवाड़ी में टिकटों की 'मंडी': विधायक पर आरोप है कि उन्होंने कर्मठ कार्यकर्ताओं की मेहनत को दरकिनार कर 'वहीवट' के दम पर रेवड़ियों की तरह टिकट बांटे हैं। समर्पित कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यहाँ लोकतंत्र नहीं, बल्कि 'विधायक तंत्र' और 'धनतंत्र' चल रहा है।
* अंदरूनी कलह या बगावत की आहट?: अहमदाबाद भाजपा में गुटबाजी अब 'ड्राइंग रूम' से निकलकर सड़कों पर आ गई है। पुराने चावलों को किनारे कर नए 'खिलाड़ियों' को तवज्जो देने की रणनीति अब पार्टी पर ही भारी पड़ रही है।

संपादकीय टिप्पणीः 'महानगर मेट्रो' की बेबाक राय

'क्या भाजपा अब 'कैडर बेस्ड' पार्टी से 'कमीशन बेस्ड' पार्टी बनती जा रही है? अगर एक कद्दावर मंत्री को उसके अपने ही लोग नकार रहे हैं, तो समझ लीजिए कि संगठन की जड़ें खोखली हो चुकी हैं।'

कार्यकर्ताओं का खून खौलाः 'हम दरी बिछाएं और वो मलाई खाएं?'

अमराईवाड़ी के जमीनी कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उनका कहना है कि विधायक ने वफादारी का कत्ल करके 'सेटिंग' को प्राथमिकता दी है। अगर समय रहते आलाकमान ने इस 'वहीवट' के खेल को नहीं रोका, तो आने वाले चुनाव में पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

निष्कर्षः जवाब तो देना होगा!

ऋषिकेश पटेल की कार्यशैली और विधायक की 'डीलिंग' ने भाजपा के 'सुशासन' के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। 'महानगर मेट्रो' पूछता है– क्या मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष इस खुले भ्रष्टाचार और अंतर्कलह पर चुप्पी तोड़ेंगे, या फिर 'सब चंगा सी' का राग अलापते रहेंगे?

बदमाश ने महीनेभर में 4 महिलाओं से की थी छेड़छाड़

जयपुर पुलिस मध्यप्रदेश से पकड़कर लाई, कोर्ट से भागने के दौरान हाथ-पैर टूटे

महानगर मेट्रो

जयपुर प्रेग्नेंट महिला से छेड़छाड़ करने वाले बदमाश को जयपुर पुलिस मध्यप्रदेश से प्रोडक्शन वारंट पर अरेस्ट करके लाई। मुरैना जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार करने के लिए मुरैना कोर्ट में पेश किया। इस दौरान भागने में आरोपी के हाथ-पैर टूट गए। पुलिस ने बदमाश को शरण देने और मदद करने वाले 2 साथियों को भी अरेस्ट किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने पिछले एक महीने में जयपुर में अलग-अलग जगहों पर 4 लड़कियों से छेड़छाड़ की थी।बदमाश पर मध्यप्रदेश में 33 मामले दर्ज है। जिसमें आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास, मारपीट, पीटा एक्ट और छेड़छाड़ के केस है। जयपुर पुलिस ने आरोपी पर 5 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं।

1. मुख्य आरोपी और सहयोगी गिरफ्तार, कार जब्तDCP ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी राहुल घुरैया उर्फ राज उर्फ राहुल गुर्जर (33) निवासी बिजौली, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही सहयोगी शुभम अग्रवाल उर्फ सिद्धार्थ (29) निवासी निवाई (टोंक) हाल सेक्टर-11 मालवीय नगर और बाबूलाल बराला (28) निवासी मॉडल टाउन कॉलोनी मुहाना को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने फरारी के दौरान इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त किया है।

2. सरेराह छेड़छाड़ करता था बदमाश मुख्य आरोपी राहुल घुरैया के खिलाफ मध्यप्रदेश में कुल 33 और जयपुर में 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास, मारपीट, पीटा एक्ट और छेड़छाड़ के केस शामिल हैं। पिछले करीब 6 महीने से तीनों आरोपी जवाहर सर्किल और सांगानेर इलाके में तीन स्पा सेंटर चला रहे थे। पूछताछ में आरोपी राहुल गुर्जर ने पिछले एक महीने में जवाहर सर्किल के अलावा सांगानेर, बजाज नगर और रामनगरिया में युवतियों से सरेराह छेड़छाड़ करना कबूल किया है। संबंधित थानों में भी पीड़ित पक्ष की ओर से केस दर्ज कराए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला-युवती से छेड़छाड़ का आरोपी राहुल गुर्जर आदतन बदमाश है। 25 मार्च को आरोपी ने जयपुर के जवाहर सर्किल इलाके में मालवीय नगर के पास गर्भवती महिला के साथ छेड़छाड़ की थी। 25 मार्च को आरोपी ने जयपुर के जवाहर सर्किल इलाके में मालवीय नगर के पास गर्भवती महिला के साथ छेड़छाड़ की थी।

3. दोस्तों ने की कार की व्यवस्था 25 मार्च को मालवीय नगर में गर्भवती महिला से छेड़छाड़ की घटना CCTV फुटेज में कैद हो गई थी। इसका वीडियो सामने आने पर 12 अप्रैल को जवाहर सर्किल थाने में FIR दर्ज की गई। इस बारे में पता चलने पर आरोपी राहुल के साथी सिद्धार्थ और बाबू ने कार की व्यवस्था की और फरार हो गए। पुलिस से बचने के लिए तीनों अलग-अलग जगहों पर फरारी काटने चले गए। राहुल फरारी के दौरान पाली, गुजरात, ग्वालियर और मुरैना में छिपता रहा। 15 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे वह गुपचुप तरीके से मुरैना कोर्ट पहुंचा और साल 2018 के एक डकैती मामले में सरेंडर की अर्जी लगा दी। पुलिस की गिरफ्त से भागने के प्रयास में आरोपी राहुल का हाथ-पैर फ्रैक्चर हो गया।

पुलिस की गिरफ्त से भागने के प्रयास में आरोपी राहुल का हाथ-पैर फ्रैक्चर हो गया।

4. कोर्ट में पेश करने पर भागा राहुल के बारे में पता चलने पर जयपुर पुलिस ने मुरैना कोर्ट में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अर्जी लगाई। मुरैना जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए उसे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में पेशी के बाद आरोपी राहुल गुर्जर पुलिस गिरफ्त से भागने लगा, जिससे उसका हाथ-पैर फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर लाकर गिरफ्तार कर लिया।

सीडीसी स्टूडियो का मेगा समर कैम्पः बच्चों के टैलेंट को मिलेगा नया मंच

15 मई से शुरू होंगे क्लासेज, 10 से अधिक कलाओं में ट्रेनिंग; पंजीकरण प्रक्रिया जारी

महानगर मेट्रो

टोंक। गर्मियों की छुट्टियों को रचनात्मक और यादगार बनाने के लिए सीडीसी डांस एंड जुम्बा स्टूडियो एक बार फिर मेगा समर कैम्प लेकर आ रहा है। यह कैम्प 15 मई से शुरू होगा, जिसके लिए अभी से पंजीकरण प्रक्रिया जारी है और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गत वर्ष 2025 में आयोजित समर कैम्प ने शानदार सफलता हासिल की थी, जिसमें करीब 200 से 250 स्टूडेंट्स ने भाग लेकर 10 से अधिक विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण लिया था। बच्चों के आत्मविश्वास और हुनर में आए बदलाव को देखते हुए इस बार कैम्प को और अधिक आकर्षक और व्यापक बनाया गया है। इस मेगा कैम्प में बच्चों को डांस, सेल्फ डिफेंस, आर्ट एंड क्राफ्ट, मेहंदी, म्यूजिक और सेटिंग जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की देखरेख में आयोजित होने वाली इन क्लासेज का उद्देश्य बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को निखारना और उन्हें नई स्किल्स सिखाना है। .आयोजकों के अनुसार, यह कैम्प न केवल बच्चों को नई चीजें सीखने का अवसर देगा, बल्कि उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना भी सिखाएगा। खास बात यह है कि कैम्प को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बच्चे सीखने के साथ-साथ एंजॉय भी कर सकें। कैम्प की लोकेशन सीडीसी डांस क्लासेज एंड जुम्बा स्टूडियो, नगर परिषद कॉलोनी, बस स्टैंड के पीछे तथा विवेकानंद स्कूल, राज टॉकीज रोड टोंक रखी गई है, जिससे शहर के अधिक से अधिक बच्चे इसमें भाग ले सकें। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य और रचनात्मक विकास के लिए समय रहते पंजीकरण कराएं, क्योंकि सीमित सीटों के चलते जल्द ही रजिस्ट्रेशन बंद किया जा सकता है।मेगा समर कैम्प बच्चों के लिए इस बार सीखने, मस्ती और टैलेंट दिखाने का शानदार मंच बनने जा रहा है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

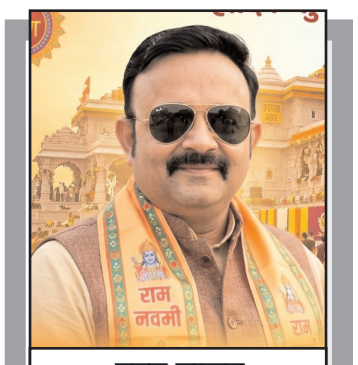

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का

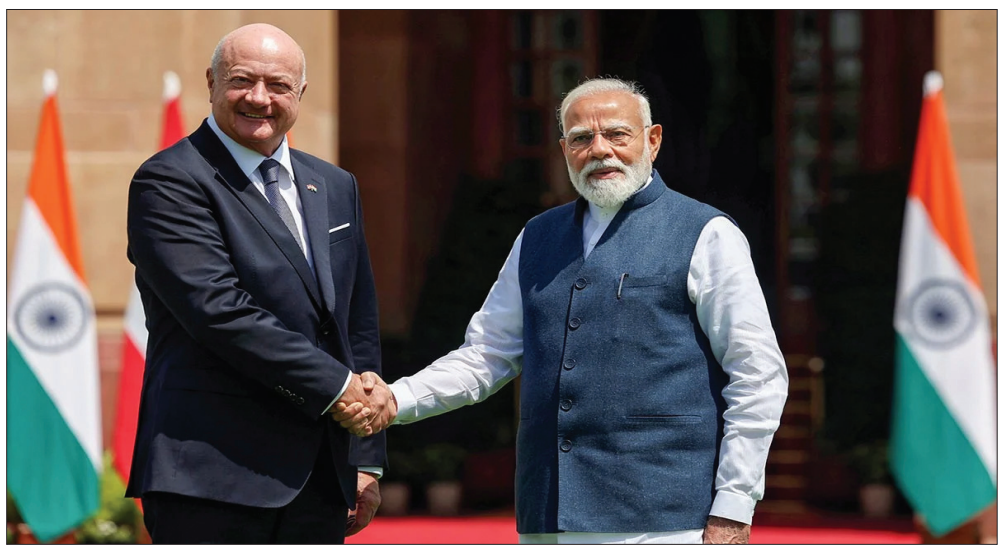

शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

संपादकीय

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक ह्यसंगठित गिरोहह्ल की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि ह्यइसऐसी चीजें होती रहती हैंह्ल आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे में: आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

फैशन डिज़ाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग में करियर की शुरूआत

कंचन मेहता (दिशा सिरसा)

आज के आधुनिक दौर में फैशन डिजाइनिंग एक तेजी से उभरता हुआ और आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। यह केवल कपड़े बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रचनात्मक कला है जिसमें व्यक्ति अपनी कल्पनाशक्ति, सौंदर्यबोध और नवीन विचारों को परिधानों के माध्यम से व्यक्त करता है। बदलते समय के साथ फैशन इंडस्ट्री का विस्तार लगातार बढ़ रहा है, जिससे युवाओं के लिए इसमें करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

फैशन डिजाइनिंग में शुरूआत करने के लिए सबसे पहले अपनी रुचि और क्षमता को समझना आवश्यक है। यदि आपको रंगों, कपड़ों और नए-नए स्टाइल्स में रुचि है, तो यह क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। एक अच्छे फैशन डिजाइनर के लिए ड्रॉइंग और स्केचिंग की समझ होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर डिजाइन पहले कागज पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखना भी आवश्यक है, ताकि आपके डिजाइन समय के अनुरूप और आकर्षक बने रहें।

फैब्रिक की पहचान, रंगों का सही संयोजन और सिलाई की बेसिक जानकारी भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक सफल डिजाइनर वही होता है जो साधारण कपड़े को भी अपनी रचनात्मकता से खास बना सके। इसके लिए निरंतर अभ्यास और नए प्रयोग करना जरूरी होता है। साथ ही, कम्युनिकेशन स्किल्स भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आपको अपने विचारों को ग्राहकों और टीम के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना होता है।

शैक्षिक दृष्टि से, आज कई संस्थान फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर कोर्स प्रदान करते हैं। 12वीं के बाद छात्र इस क्षेत्र में प्रवेश लेकर अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, शॉर्ट-टर्म कोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी शुरूआती स्तर पर सीखने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

फैशन डिजाइनिंग में प्रैक्टिकल अनुभव का विशेष महत्व है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। छात्रों को इंटर्नशिप करनी चाहिए, फैशन शोज में भाग लेना चाहिए और छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे इंडस्ट्री की वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाना भी जरूरी है, जिसमें आपके बेहतरीन डिजाइन शामिल हों।

करियर के दृष्टिकोण से, फैशन डिजाइनिंग में कई विकल्प उपलब्ध हैं। आप फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट, फैशन कंसल्टेंट या बुटीक ओनर बन सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का ब्रांड शुरू करके भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से अपने डिजाइन्स को प्रमोट करना भी आसान हो गया है।

अंततः, फैशन डिजाइनिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की इच्छा आवश्यक है। यदि आप अपने काम के प्रति समर्पित हैं और अपनी रचनात्मकता को निखारते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में एक सफल और प्रसिद्ध डिजाइनर बन सकते हैं।

''गिरगिट की तरह रंग बदलती है कांग्रेस', मायावती ने महिला आरक्षण बिल पर लगाई लताड़,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ: बसपा सुप्रीमो मायावती ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस को गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली पार्टी करार दिया। मायावती ने कहा कि केंद्र में सरकार रहते हुए कांग्रेस ने किसी भी क्षेत्र में आरक्षण कोटे को पूरा कराने की कभी पहल नहीं की। इसी तरह, सपा जब सरकार में नहीं है तो अलग रवैया अपना रही है, पर जब सरकार में होती है तो अलग संकीर्ण जातिवादी और तिरस्कारी रवैया अपनाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी सभी छलावा एवं दोहरे चरित्र वाली पार्टियों से हमेशा सावधान रहना होगा, तभी कुछ बेहतर संभव हो पाएगा। मायावती ने अपने ङ्क अकाउंट पर शुक्रवार सुबह लंबा-चौड़ा ट्वीट किया। उन्होंने लिखा है- 'देश के स्ष्ट, व **OBC** समाज के संवैधानिक/क़ानूनी अधिकारों आदि के मामले में, कांग्रेस भी गिरगिट की तरह अपना रंग बदलने वाली यह पार्टी भी, महिला आरक्षण में, जो अब इन वर्गों की बात कर रही है, तो यही कांग्रेस पार्टी है जिसने अपनी केंद्र की सरकार के रहते हुये किसी भी क्षेत्र में इनके आरक्षण के कोटे को पूरा कराने की कभी पहल नहीं की है। ना हऐ OBC समाज हेतु मण्डल कमीशन की रिपोर्ट के हिसाब से उन्हें सरकारी नौकरी व शिक्षा के क्षेत्र में 27 प्रतिशत आरक्षण को भी लागू किया, जिसे फिर BSP के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार में अनततः लागू किया गया था, जो सर्वविदित है।' 'सत्ता में रहने पर सपा का रवैया जातिवादी' बसपा नेता ने आगे लिखा है- 'इसी प्रकार, यूपी में पिछड़े मुस्लिमों को OBC का लाभ देने के लिए, पिछड़ा वर्ग आयोग की जुलाई 1994 में ही आई रिपोर्ट को भी सपा सरकार ने ठण्डे बस्ते में डालकर इसे लागू नहीं किया था, जिसे फिर यहां बीएसपी की 3 जून सन् 1995 में पहली बनी सरकार ने इसे तुरन्त लागू किया, जो कि अब यही सपा अपना रंग बदलकर अपने राजनैतिक स्वार्थ में इनकी महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की बात कर रही है। महिला आरक्षण मामले में सपा जब सरकार में नहीं है तो अलग रवैया अपना रही है, पर जब सरकार में होती है तो अलग संकीर्ण जातिवादी व तिरस्कारी रवैया अपनाती है। अतः इन सभी वर्गों को ऐसी सभी छलावा एवं दोहरे चरित्र वाली पार्टियों से हमेशा सावधान रहना होगा, तभी कुछ बेहतर संभव हो पाएगा। मायावती 'कांग्रेस भी बीजेपी की तरह उठाती कदम मायावती ने अपने पोस्ट में आगे लिखा है- 'जहां तक महिला आरक्षण के लिए पिछली (सन् 2011) जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का सवाल है, तो इस बारे में यही कहना है कि यदि इसे जिन भी कारणों से जल्दी लागू करना है तो फिर इसी जनगणना के आधार पर करना है और यदि वर्तमान में कांग्रेस पार्टी केन्द्र की सत्ता में होती तो फिर यह पार्टी भी बीजेपी की तरह ही यही कदम उठाती।'

बस्ती : शादी में बिना पूछे खाया रसगुल्ला, गुस्साए कारीगर ने मासूम को धधकते तंदूर में झोंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में इंसानियत को शर्मशार करने वाली रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है. यहां एक शादी समारोह में महज एक रसगुल्ला खाने पर हलवाई के कारीगर ने 11 साल के बच्चे को धधकते तंदूर में फेंक दिया. मासूम अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है.

दरअसल, छावनी थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय मासूम चमन अपनी नानी के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गया था. वहां स्टॉल पर रखे रसगुल्ले को बिना अनुमति खाने पर खाना बनाने वाले कारीगर ने उसे जलते हुए तंदूर की भट्टी में झोंक दिया. यह घटना रसगुल्ला खाने की छोटी सी बात पर कारीगर के अचानक आए गुस्से के कारण हुई. बुरी तरह झुलसी हालत में परिजनों ने बच्चे को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने इस गंभीर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और फरार आरोपी कारीगर की तलाश शुरू कर दी है.पीड़ित मासूम चमन के शरीर पर जलने के गहरे निशान हैं और डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे न्याय की गुहार लगा रहे हैं. घटना ने यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या एक बच्चे की गलती की सजा इतनी खौफनाक हो सकती है? मासूम फिलहाल अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती है.

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी की कोशिशमामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी एसपी स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया है. आरोपी कारीगर की पहचान कर ली गई है और पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं. पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा.

रोहित शेट्टी फायरिंग केस : आगरा से एक और आरोपी गिरफ्तार, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से निकला कनेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगराः ताजनगरी आगरा से लेकर मुंबई तक फैले फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले की जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। रंगदारी के इरादे से की गई इस वारदात ने जहां फिल्म इंडस्ट्री में सनसनी फैलाई, वहीं अब इसके तार उत्तर प्रदेश के बाह क्षेत्र से जुड़े मिल रहे हैं।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को आगरा के बिजौली गांव से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस केस में अब तक छह युवकों की गिरफ्तारी हो चुकी है और सभी का कनेक्शन कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जोड़ा जा रहा है।

बिजौली गांव से प्रदीप उर्फ गांठ गिरफ्तार

मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने बाह क्षेत्र के बिजौली गांव में दबिश देकर प्रदीप कुमार उर्फ गांठ को गिरफ्तार किया। वह नई बस्ती का निवासी है और हाल ही में दिल्ली से गांव लौटा था। पुलिस उसे अपने साथ मुंबई ले गई है, जहां उससे इस मामले में गहन पूछताछ की जाएगी।

जुहू में रोहित शेट्टी के घर पर हुई थी फायरिंग

एक फरवरी को मुंबई के जुहू इलाके में स्थित रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी। इस वारदात को अंजाम देने वाले शूटर शुभम लोनकर और आरजू बिश्नोई बताए गए हैं। दोनों ने रंगदारी वसूलने के उद्देश्य से ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया था, जिससे मामला और ज्यादा चर्चाओं में आ गया।

बाह क्षेत्र से अब तक छह गिरफ्तार

इस मामले में बाह क्षेत्र से अब तक छह युवकों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले 9 अप्रैल को प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया गया था, जिस पर मध्य प्रदेश के एक कारोबारी से 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का आरोप है। दोनों आरोपियों के घर पास-पास होने के कारण पुलिस उनके आपसी संबंधों और नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

दिल्ली को मिलने जा रहा नया मेयर और डिप्टी मेयर, 29 अप्रैल को होगा फैसला, जानें किसके पास बहुमत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली को जल्द ही नया मेयर मिलने जा रहा है। 29 अप्रैल को यह तय हो जाएगा कि दिल्ली का अगला मेयर कौन होगा। दरअसल, स्ष्ठ ने मेयर के साथ-साथ डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए भी नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। वैसे तो एमसीडी का पद अलग-अलग साल कैटेगिरी के हिसाब से रिजर्व होता है, लेकिन इस साल किसी को भी मेयर बनाया जा सकता है। दिल्ली एमसीडी के नए मेयर का चुनाव जल्द होने जा रहा है नई दिल्ली: 29 अप्रैल को दिल्ली को नया मेयर और डिप्टी मेयर मिल जाएगा। उसी दिन स्टैंडिंग कमिटी के तीन मेंबर्स का चुनाव भी पूरा हो जाएगा। एमसीडी ने गुरुवार को मेयर और डिप्टी मेयर के साथ-साथ स्टैंडिंग कमिटी के तीन मेंबर्स के चुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सभी पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 23 अप्रैल है। नोटिस जारी होने के बाद एनबीटी की खबर पर मुहर लग गई है। एमसीडी गठन के बाद पहले साल मेयर पद महिला के लिए आरक्षित होता है। वहीं तीसरे साल मेयर पद अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व होता है। पांचवे साल जनरल होने के कारण किसी को भी मेयर बनाया जा सकता है। एमसीडी का यह पांचवां साल है इसलिए इस बार किसी को भी मेयर बनाया जा सकता है। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद एक तरह से नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। मेयर और डिप्टी मेयर के पद पर नामांकन की आखिरी तारीख 23 अप्रैल है। मेयर चुनाव में BJP का पलड़ा कैसे भारी निगम और दिल्ली सरकार में बहुमत होने के साथ-साथ दिल्ली में लोकसभा के सातों सांसद बीजेपी के है। एमसीडी बगैर किसी सपोर्ट के अपना मेयर बना सकती है। बीजेपी निगम में सत्ता में है। एमसीडी में 250 पार्षदों में से बीजेपी के पास 123 निगम पार्षद हैं। 11 विधायकों के अलावा दिल्ली के सातों सांसद भी मेयर चुनाव में वोट डालते है। कुल मिलाकर बीजेपी के वोटों की संख्या 141 बैठ रही है। स्टैंडिंग कमेटी में तीन मेंबर्स का भी चुनाव स्टैंडिंग कमिटी के 18 मेंबर्स में से 50 पर्सेंट मेंबर्स 31 मार्च को रिटायर्ड हो गए थे। इनमें से तीन मेंबर हाउस से चुनकर आने हैं और बाकी छह मेंबर्स अलग-अलग जोनों से चुनकर आने है। स्टैंडिंग कमिटी के तीनों मेंबर्स का चुनाव भी आगामी 29 अप्रैल को हो जाएगा।

दिल्ली में हेड कॉन्स्टेबल को कार से कुचलने की कोशिश, पेट्रोलिंग के दौरान दिखी थी संदिग्ध SUV

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली में एक हैरान करने वाला म ामला सामने आया है। देश की राजधानी में नाइ पेट्रोलिंग कर रहे एक हेड कॉन्स्टेबल को कार से टक्कर मारकर घायल कर दिया गया है। घटना तब हुई, जब हेड कॉन्स्टेबल को सड़क पर एक संदिग्ध स्ड्ड कार खड़ी नजर आई। जब पुलिसकर्मी ने कार की जांच करने की कोशिश की तो पुलिसकर्मी ने उन्हें टक्कर मार दी नई दिल्ली: नाइट पेट्रोलिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी को कार से टक्कर मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट के मंदिर मार्ग इलाके की है। संदिग्ध हालत में खड़ी एक एसयूवी के ड्राइवर ने रोकने पर भागने की कोशिश की और पीछा कर रहे पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी।

सड़क पर खड़ी थी संदिग्ध कार

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने उनके बयान पर 14 अप्रैल को केस दर्ज किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार महेंद्र 13 अप्रैल की रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक नाइट पट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। उनके साथ कॉन्स्टेबल दीपेश भी अलग बाइक पर इलाके में गश्त कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार रात करीब 11 बजे जब महेंद्र हनुमान मंदिर से वंदे मातरम् रोड होते हुए आशाराम बापू आश्रम के पास पहुंचे, तो उन्होंने एक काले रंग की महिंद्रा XUV| कार सड़क पर संदिग्ध तरीके से खड़ी देखी।

वर्दी देखकर घबरा गया SUV ड्राइवर

हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र ने ड्राइवर से पूछताछ के लिए कार की खिड़की पर दस्तक दी, लेकिन वर्दी देखकर ड्राइवर घबरा गया और तेज रफ्तार में गाड़ी लेकर धौला कुआं की ओर भाग निकला। स्थिति संदिग्ध लगने पर महेंद्र ने तुरंत अपनी सरकारी बाइक से उसका पीछा शुरू किया। इसी दौरान कॉन्स्टेबल दीपेश भी मौके पर पहुंच गए और पीछा करने लगे। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद जब आरोपी ड्राइवर शंकर चौक के पास रेड लाइट पर पहुंचा, तो उसने अचानक ब्रेक लगाकर गाड़ी को रिवर्स करना शुरू कर दिया।

तेज रफ्तार में फरार हो गया आरोपी

पुलिस के मुताबिक जैसे ही हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र उसके पास पहुंचे और गाड़ी भगाने के बारे में पूछा, ड्राइवर ने खिड़की खोलते ही अचानक तेजी से गाड़ी बढ़ाई और पीड़ित की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क किनारे फुटपाथ से टकराकर गिर गई और महेंद्र बुरी तरह घायल हो गए। उनके बाएं पैर में गंभीर चोट आई। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद कॉन्स्टेबल दीपेश ने पीछा किया, लेकिन वह तेज

DU स्टूडेंट का बड़ा आरोप, स्लीवलेस कुर्ते में मंच पर जाने से रोका गया, कार्यक्रम में मौजूद थे केंद्रीय मंत्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा सारा शर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें स्लीवलेस कुर्ता पहनने के कारण कार्यक्रम में मंच पर जाने से रोक दिया गया। कार्यक्रम में मनसुख मंडाविया मौजूद थे। छात्रा ने कहा कि सार्वजनिक रूप से कपड़ों पर टिप्पणी की गई, जिससे उन्हें अपमानित महसूस हुआ। नई दिल्ली: दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट के उस बयान ने विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें 'नारी शक्ति विकसित भारत की आवाज' कार्यक्रम के मंच पर जाने से इसलिए रोक दिया गया क्योंकि उन्होंने स्लीवलेस कुर्ता पहना हुआ था। सोशल मीडिया पर स्टूडेंट ने वीडियो डालकर अपनी बात कही है, जिस पर बहस तेज हो गई है।

दौलत राम कॉलेज की स्टूडेंट सारा शर्मा का कहना है कि श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में 12 अप्रैल को हुए इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया पहुंचे थे। खेल और युवा मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले 'मेरा युवा भारत' की ओर से रखे गए इस कार्यक्रम में महिला युवा संसद रखी गई। स्टूडेंट ने क्या आरोप लगाया

19 साल की सारा का कहना है कि इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को ट्रैडिशनल ड्रेस में आने को कहा गया था, तो मैंने भी सूट पहना था। मुझे मंच पर जाना था मगर मुझे रोक लिया गया। एक महिला अधिकारी ने मुझे कहा कि आपने स्लीवलेस कुर्ता पहना है, आप नहीं जा सकती। और मेरी जगह किसी दूसरी लड़की को मंच पर भेज दिया गया। सारा का कहना है कि मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई क्योंकि मंत्रालय के अधिकारियों ने सबके सामने मेरे कपड़ों पर कमेंट किया। मैं अकेली नहीं थी जिसने स्लीवलेस ड्रेस पहनी थी।

मॉक यूथ पार्लियामेंट में प्रतिभागियों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर अपनी बात रखी थी। इसमें महिला नेतृत्व और समावेशी शासन की अहमियत पर चर्चा हुई, जिसमें सारा भी प्रतिभागी थीं। सारा का यह भी कहना है कि कार्यक्रम के बाद जब बाहर हम फोटो खींच रहे थे तो मंत्रालय के कुछ लोगों ने हमसे कहा कि इस देश की औरतें एक-एक घंटे तक सिर्फ फोटो खींचती रहती हैं इसलिए देश प्रगति नहीं कर पा रहा है। जब मैंने उनसे उनका नाम पूछा तो उन्होंने नहीं बताया। 'गलत है आरोप' युवा मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि स्टूडेट को मंत्रालय के किसी भी अधिकारी ने मंच पर जाने से नहीं रोका, बल्कि कॉलेज के अधिकारी ने रोका। दूसरी ओर, इस मामले में कुछ और कॉलेज स्टूडेंट्स ने कहा है

24 घंटे कैटेगरी सुरक्षा घेरे में रहेंगे दिल्ली के विधानसभा अध्यक्ष, जानें क्यों लेना पड़ा ये फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली के विधानसभा अध्यक्ष को 24 घंटे जेड कैटेगिरी की सुरक्षा दे दी गई है। अब विजेंद्र गुप्ता को हमेशा खास सुरक्षा दी जाएगी। चाहे उनका घर हो या फिर विधानसभा ऑफिस, हर समय विधानसभा अध्यक्ष सुरक्षा घेरे में रहेंगे। आधिकारिक कार्यक्रमों और सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा दल का नेतृत्व एक अधिकारी करेगा, जिसके साथ ट्रेंड कमांडोज की टीम हर समय सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की सुरक्षा बढ़ाई गई नई दिल्ली: पिछले कुछ दिनों से लगातार मिल रही बम धमकियों और एक गंभीर सुरक्षा चूक की घटना के बाद दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष कार्यालय को 6-7 धमकी भरे ईमेल मिले थे। इसके अलावा हाल ही में एक सुरक्षा चूक के दौरान एक शख्स विधानसभा परिसर में घुसकर अध्यक्ष की गाड़ी में संदिग्ध वस्तु रखने में सफल विधान रहा। इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा जरूरी हो गई थी।

अब जेड श्रेणी सुरक्षा के तहत विजेंद्र गुप्ता को 24 घंटे खास सुरक्षा दी जाएगी, जो विधानसभा ऑफिस से लेकर उनके घर तक रहेगी। इस व्यवस्था एक एस्कॉर्ट गाड़ी भी शामिल है, जो हर समय उनके काफिले के साथ चलेगी। आधिकारिक कार्यक्रमों और सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा दल का नेतृत्व एक अधिकारी करेगा, जिसके साथ ट्रेंड कमांडोज की टीम हर समय सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

परिसर की सुरक्षा हो रही मजबूत

सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर विधानसभा परिसर की सुरक्षा भी बड़े लेवल पर मजबूत की जा रही है ताकि सभी सदस्यों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हर एंट्री गेट पर ऑटोमेटिक बूम बैरियर लगाए जा रहे हैं, जिससे आने-जाने वाले हर शख्स और सामान की जरूरी जांच हो सके। इसके अलावा CRPF की क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) को गाड़ी सहित परिसर में तैनात किया गया है, जो लगातार गश्त करेगी और किसी भी खतरे से तुरंत निपट सकेगी।

खतरे को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति

विधानसभा सचिवालय ने साफ किया है कि लोकतांत्रिक संस्थानों के खिलाफ किसी भी खतरे को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई गई है। विधायी प्रक्रिया की गरिमा और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे है। संवैधानिक पदाधिकारियों की सुरक्षा और विधानसभा परिसर की अखंडता सर्वोच्च प्राथमिकता है ताकि सदन की कार्यवाही सुरक्षित और सुचारू रहे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर स्टंट पड़ा भारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में हाई-स्पीड और सुरक्षित सफर के लिए तैयार किए गए दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर लापरवाही का एक मामला सामने आया है, जिसने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी को उजागर कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ युवक थार गाड़ी से खतरनाक स्टंट करते नजर आए। वीडियो अपलोड होते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वाहन मालिक पर छह हजार रुपये का चालान कर दिया। इस घटना ने साफ कर दिया है कि एक्सप्रेसवे पर नियमों के उल्लंघन को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर स्टंट का वीडियो हुआ वायरल

बृहस्पतिवार सुबह इंस्टाग्राम पर अपलोड किए गए एक वीडियो में युवक तेज रफ्तार थार गाड़ी से स्टंट करते दिखाई दिए। वीडियो में एक युवक खुद को मीतली गांव से देहरादून की ओर जाते हुए बताता है और दावा करता है कि वह एक घंटे में सहारनपुर पहुंच जाएगा। इसी दौरान एक युवक गाड़ी की खिड़की से बाहर लटककर वीडियो बनाता नजर आता है, जबकि अन्य युवक वाहन के अंदर बैठे थे। इस खतरनाक स्टंट ने लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी।

गाड़ी मालिक के खिलाफ 6 हजार का चालान

यातायात निरीक्षक सतेंद्र सिंह के मुताबिक, जांच में सामने आया कि गाड़ी कुलदीप निवासी भूपनी, जिला फरीदाबाद के नाम पर पंजीकृत है। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन मालिक के खिलाफ छह हजार रुपये का चालान जारी किया गया है। पुलिस ने साफ किया कि इस तरह की हरकतों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। हाल ही में हुआ था एक्सप्रेसवे का उद्घाटन गौरतलब है कि इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह एक्सप्रेसवे तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए बनाया गया है, जहां नियमों का पालन अनिवार्य है।

फार्मर रजिस्ट्री नहीं तो MSP : उन्नाव में किसानों के सामने बड़ा संकट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। के उन्नाव में गेहूं खरीद सीजन के बीच फार्मर रजिस्ट्री को लेकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बड़ी संख्या में किसान अब भी रजिस्ट्री नहीं करा पाए हैं, जिसके चलते वे सरकारी क्रय केंद्रों पर अपनी उपज बेचने से वंचित रह सकते हैं। ऐसे किसानों को मजबूरी में खुले बाजार का रुख करना पड़ेगा, जहां उन्हें समर्थन मूल्य से कम दाम मिल रहे हैं। प्रशासन ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था शुरू की है, लेकिन इसके बावजूद किसानों की धीमी भागीदारी चिंता का विषय बनी हुई है।आधे से ज्यादा किसान अभी भी रजिस्ट्री से दूरउन्नाव में कुल 5,54,998 पंजीकृत किसानों में से अब तक केवल 3,75,807 किसानों ने ही फार्मर रजिस्ट्री करवाई है। यानी बड़ी संख्या में किसान अभी भी इस जरूरी प्रक्रिया से बाहर हैं। यही वजह है कि सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं बेचने में उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

क्रय केंद्रों पर ही होगी रजिस्ट्री की सुविधा

विपणन अधिकारी संतोष गुप्ता के अनुसार, डीएम गौरांग राठी के निर्देश पर हर गेहूं खरीद केंद्र पर एक कर्मचारी तैनात किया जा रहा है। यह कर्मचारी उन किसानों की मदद करेगा, जिन्होंने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं करवाई है। मौके पर ही रजिस्ट्रेशन कराकर किसानों को सरकारी खरीद प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। MSP और बाजार भाव में बड़ा अंतर सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है, जबकि खुले बाजार में गेहूं का दाम करीब 2200 रुपये प्रति कुंतल चल रहा है। ऐसे में रजिस्ट्री न कराने वाले किसानों को प्रति कुंतल 200 से 300 रुपये तक का सीधा नुकसान उठाना पड़ सकता है।रीद प्रक्रिया शुरू जिले में 30 मार्च से 87 क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे: 275 रुपये देना होगा टोल टैक्स, 24 घंटे में वापसी पर लगेंगे 475 रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर । जब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे गाड़ियों के लिए खुल जाएगा, तो कार चालकों को 63 किलोमीटर का सफर तय करने के लिए एक तरफ से 275 रुपये का टोल लगेगा। अगर 24 घंटे में वापसी हो जाती है तो 415 रुपये टोल लगेगा। जो लोग नियमित रूप से लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा करते हैं, उनके लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सालाना पास सेवा का विकल्प दिया जाएगा। इसका शुल्क 3,075 रुपये होगा। इस एक्सप्रेसवे पर दोपहिया और तिपहिया वाहनों को फर्राटा भरने की अनुमति नहीं होगी।

हमने कानपुर रिंग रोड पर काम पहले ही तेजी से शुरू कर दिया है। यह रिंग रोड कादर पटारी में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से जुड़ेगी। इससे गाड़ी मालिकों को अपनी मंजिल तक पहुंचने का एक और विकल्प मिल जाएगा और उन्हें शहर के ट्रैफिक से बिल्कुल भी जूझना नहीं पड़ेगा।

NHAI UP वेस्ट ऑफिस के रीजनल अधिकारी गौतम विशाल

सालाना पास से 200 बार टोल से गुजर सकेंगे वाहन

सालाना पास की मदद से एक वाहन मालिक इस एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे से 100 बार आना-जाना कर सकेगा। ह्यूढ़ के अधिकारियों ने बताया कि सालाना पास के ज़रिए, एक वाहन को पास जारी होने के समय से एक साल के अंदर एक टोल प्लाजा से 200 बार गुजरने की अनुमति होती है।

रोजाना सफर करने वालों का लगेगा मात्र 15.30 रुपये टोल

हाईवे अथॉरिटी के कानपुर रीजनल ऑफिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कई लोग एक्सप्रेसवे की लागत पर सवाल उठा रहे हैं और उन्हें लगता है कि इसके चार्ज बहुत ज?यादा है। मैं बताना चाहता हूं सालाना पास एक्सप्रेसवे के साथ-साथ इस इलाके के दूसरे नेशनल हाईवे पर भी काम करेगा। इस पास से लोग एक साल में 200 बार टोल से गुजर सकेंगे या एक ही प्लाजा से 100 बार आना-जाना कर सकेंगे। ऐसे में, रोजाना सफर करने वालों के लिए एक ट्रिप की लागत 275 रुपये के बजाय घटकर 15.30 रुपये हो जाएगी।

120 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन

दूसरी ओर, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे अब ट्रैफिक संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है। अधिकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से निर्देश मिलने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि इस छह-लेन वाले स्पीड कॉरिडोर को खोलने की तारीख तय की जा सके। इस कॉरिडोर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इस पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से गाड़ियां चल सकें। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत लगभग 3,700 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये सिविल कंस्ट्रक्शन के कामों पर खर्च किए गए हैं, जबकि बाकी रकम निजी जमीन खरीदने पर खर्च हुई है।

दो साल में पूरा होगा कानपुर रिंग रोड का काम

यह एक्सप्रेसवे सरोजिनी नगर के मीरानपुर पिनवट गांव से शुरू होगा और उन्नाव के कादर पटारी गांव में खत्म होगा। यह मौजूदा लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर, जाजमऊ गंगा पुल से 5.5 किलोमीटर आगे स्थित है। कानपुर रिंग रोड को पूरा होने में लगभग दो साल लगेंगे।

दिल्ली में बृहस्पतिवार को मौसम की पहली गर्मी महसूस की गई, तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: दिल्ली में बृहस्पतिवार को मौसम की पहली गर्मी महसूस की गई और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो इस साल अब तक का सबसे अधिक तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है।लोधी रोड इलाके में कितना रहा तापमानपालम में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 2.0 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। लोधी रोड पर अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से 2.2 डिग्री कम है।दिल्ली में सबसे ज्यादा तापमान किस इलाके मेंरिज स्टेशन पर उच्चतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.5 डिग्री कम है। आयानगर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 18.2 डिग्री सेल्सियस हो गया, जो सामान्य से 3.9 डिग्री कम है।दिल्ली में ग्रेप 1 की पाबंदियां लागूभारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को अधिकतम तापमान लगभग 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस रहने, आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज और बिजली कड़कने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। इस बीच, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 226 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है, जिसके कारण अधिकारियों को राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेप के चरण एक को लागू करना पड़ा। सीपीसीबी मानकों के अनुसार, 0-50 के एक्यूआई को 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को 'गंभीर' माना जाता है।

4400 रुपये डिपॉजिट, 1850 रुपये भरवाई, शादी वाले घरों में गैस सिलेंडर की नई व्यवस्था, जमा करने होंगे ये दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल; मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में शादी वाले घरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के अनुसार, दो कमर्शियल सिलेंडर मिलेंगे।

शादी का कार्ड गैस एजेंसी में जमा करना होगा।

भोपालः मध्य प्रदेश में इन दिनों गैस की किल्लत है। गैस की किल्लत के बीच शादियों के सीजन की शुरुआत हो गई है। आम लोगों को शादी के सीजन में दिक्कतों का सामने नहीं करने पड़े इसलिए भोपाल जिला प्रशासन ने गैस की सप्लाई को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। इस व्यवस्था के तहत शादी वाले घरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई की जाएगी।

जिन घरों में शादी है, उन्हें कमर्शियल सिलेंडर लेने के लिए शादी का कार्ड जमा करना होगा। इसके साथ ही एड्रेस प्रूफ और एक आवेदन देना होगा जिसके बाद उन्हें दो कमर्शियल सिलेंडर मिल सकेंगे। हालांकि नई व्यवस्था में अधिकतम दो कमर्शियल गैस सिलेंडर का ही प्रावधान किया गया गया है।

कितना पैसा जमा करना होगा

शादी का कार्ड जमा करने के साथ ही आवेदन को 4400 रुपये डिपॉजिट करने होंगे। प्रत्येक कमर्शियल सिलेंडर के लिए 2200 रुपए डिपॉजिट देना होगा। हालांकि यह पैसे रिफंड के रूप में वापस मिल जाएंगे। पैसे वापस तभी मिलेंगे जब गैस एजेंसी में खाली सिलेंडर जमा कर दिए जाएंगे। सिलेंडर की भरवाई आवेदक को अलग से देनी होगी। गैस भरवाने के लिए आवेदन को 1850 रुपये प्रति सिलेंडर देना होगा।

शादी वाले घरों में कमर्शियल सिलेंडर के लिए नई व्यवस्था

शादी का कार्ड जमा करने पर मिलेंगे 2 कमर्शियल सिलेंडर

गैस एजेंसी में डिपॉजिट करने होंगे 4400 रुपये

गैस भरवाने के लिए अलग से लगेंगे 1850 रुपये

2 से 3 दिन में वापस करना होगा सिलेंडर

जिस घर में शादी है वहां कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई के बाद 2 से 3 दिन के भीतर गैस एजेंसी को खाली सिलेंडर वापस करना होगा। 2 से 3 दिनों में सिलेंडर लौटना अनिवार्य है। हालांकि प्रशासन ने दावा किया है भोपाल में **LPG** की कोई किल्लत नहीं है। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। **LPG** की पर्याप्त आपूर्ति है।

गैस एजेंसी में क्या-क्या जमा करना होगा

कमर्शियल सिलेंडर लेने के लिए आवेदक को गैस एजेंसी में जाकर शादी का कार्ड, पहचान पत्र और एक आवेदन देना होगा। आवेदक को किस दिन सिलेंडर चाहिए और किस स्थान पर इसकी भी जानकारी देनी होगी।

घोड़ी बाद में चढ़ूंगा, पहले 25 गैस सिलेंडर तो दिला दें! गुना के खाद्य विभाग में दूल्हों की कतार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुनाः शहर में शादियों का सीजन शुरू होते ही एक अजीबोगरीब नजारा देखने को मिल रहा है। दूल्हे राजा शेरवानी की फिटिंग और पार्लर के चक्कर छोड़कर हाथ में शादी का कार्ड और आवेदन लेकर सरकारी दफ्तरों की खाक छान रहे हैं। मामला है कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से जुड़ा है। गैस की किल्लत की वजह से मैरिज गार्डन के संचालकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं। ऐसे में शादी के लिए दूल्हे खुद ही सिलेंडर के लिए गुहार लगा रहे हैं। शादी कार्ड के साथ गैस की अर्जी गुना के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में इन दिनों फाइलों से ज्यादा शादी के कार्ड नजर आ रहे हैं। कोकाटे कॉलोनी के रहने वाले दीपक जाट अपनी शादी का कार्ड

लेकर पहुंचे और आवेदन दिया कि उनकी शादी 18 अप्रैल को मणिधारी गार्डन से है, जिसके लिए उन्हें कमर्शियल गैस की 25 टंकियों की सख्त जरूरत है। दीपक अकेले नहीं हैं, नारायण सिंह कुशवाह और रामरतन सिंह जैसे सैकड़ों पिता और दूल्हे कतार में हैं। नारायण सिंह को 4-5 टंकियां चाहिए तो रामरतन सिंह अपनी बेटी की शादी की रसोई के लिए 15 टंकियों की मांग कर रहे हैं। गार्डन वालों की नो गैस पॉलिसी शहर के मैरिज गार्डन संचालकों ने नया पैंतरा अपनाया है। वे बुकिंग तो कर रहे हैं, लेकिन एक शर्त के साथ कि खाना बनेगा या नहीं, यह आपके सिलेंडर तय करेंगे। गार्डन संचालक अब डीजल, लकड़ी और कोयले की भट्टियों पर जोर दे रहे हैं, लेकिन हलवाई की डिमांड तो गैस सिलेंडर ही है। यही वजह है कि अब शादी वाले घरों में बैंड-बाजे की चिंता कम और गैस सिलेंडर की चिंता ज्यादा सता रही है। एक सामान्य शादी में करीब 15 से 20 सिलेंडर लग रहे हैं। अगर मेहमान 2 हजार से ऊपर हुए तो सिलेंडर की गिनती 25 पार कर जाती है। मेरी शादी कल है मुझे कम से कम 25 टंकी की आवश्यकता है। यदि सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो सके तो बड़ी दिक्कत हो जाएगी। दीपक जाट, दूल्हा राजा 10 दिनों में आए 200 से ज्यादा आवेदन पिछले 10 दिनों में विभाग के पास 200 से ज्यादा ऐसे इमोशनल आवेदन पहुंच चुके हैं, जिनमें शादी की दुहाई दी गई है। ऐसे में विभाग की तरफ से सभी को भरोसा तो मिल रहा है लेकिन सिलेंडर की गारंटी नहीं है।

27 साल की आलिया, 67 साल के डॉक्टर और प्यार भरी बातें: भोपाल में 17 लाख के ब्रेसलेट लूट की पूरी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

27 साल की आलिया, 67 साल के डॉक्टर और प्यार भरी बातेंः भोपाल में 17 लाख के ब्रेसलेट लूट की पूरी कहानी MP के भोपाल में 67 साल के डॉक्टर से लूट हो गई थी. डॉक्टर एक सोने का कड़ा यानी ब्रेसलेट पहनते थे, जो करीब 17 लाख का था. इस लूटकांड का जब पुलिस ने पर्दाफाश किया, तो चौंकाने वाली कहानी सामने आई. दरअसल, 27 साल की आलिया खान ने डॉक्टर के संपर्क में थी. वह प्यार भरी बातें करती तो डॉक्टर भी उससे मिलने जुलने लगे थे. यह लूट की पूरी साजिश आलिया ने ही रची थी. भोपाल के हाई सिक्योरिटी जोन श्यामला हिल्स में हुई डॉक्टर से लूट की कहानी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसी लगती है. यहां 27 साल की एक महिला ने पहले 67 साल के डॉक्टर से दोस्ती की, भरोसा जीता और फिर लालच में एक साजिश रच डाली. उसने डॉक्टर से 17 लाख की कीमत का ब्रेसलेट लूट लिया, जिसे पुलिस ने उसके घर से बरामद कर लिया है. इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने 500 से ज्यादा छ्व्रष्टञ्जङ्क फुटेज खंगालकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया.इस कहानी की शुरुआती भोपाल के बोट क्लब की सुबह से होती है. बोट क्लब की

सैर और योग के दौरान डॉक्टर मनोज वर्मा की मुलाकात 27 साल की आलिया खान से हुई. धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और फिर यह जान-पहचान दोस्ती में बदल गई. करीब दो साल तक सिलसिला चलता रहा. डॉक्टर को शायद अंदाजा नहीं था कि जिस पर वह भरोसा करने लगे हैं, वही खूबसूरत लड़की आगे चलकर साजिश रचने वाली है. आलिया खान खुद को समाजसेविका बताती थी और एक ह्लह्व से जुड़ी हुई थी. बातचीत के दौरान उसने धीरे-धीरे डॉक्टर की जिंदगी से जुड़ी हर अहम जानकारी हासिल कर ली- उनका रूटीन, उनकी आदतें, और सबसे अहम, उनके हाथ में हमेशा रहने वाला 11 तोला वजनी सोने का कड़ा (ब्रेसलेट), जिसकी कीमत करीब 17 लाख रुपए है. इसी कड़े को देख आलिया लालच में आ गई. पुलिस की जांच में सामने आया कि आलिया ने अपने परिचित अदनान से संपर्क किया, जो पहले से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा था. अदनान के खिलाफ 18 मामले दर्ज हैं. आलिया ने उसे पैसे देकर डॉक्टर को निशाना बनाने की प्लानिंग की. इसके बाद ने साथियों अरशान और मुदस्सिर के साथ मिलकर वारदात करने की तैयारी की. घटना से पहले आरोपियों ने कई दिनों तक डॉक्टर की रेकी की. उनके रोजाना के रूट और टाइमिंग को बारीकी से समझा गया. 10 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे, जब डॉक्टर मनोज वर्मा साइकिलिंग कर घर लौट रहे थे, तभी किलोल पार्क के पास घात लगाए बदमाशों ने योजना को अंजाम दिया अरशान ने कार से डॉक्टर की साइकिल को टक्कर मारी, जिससे वे सड़क पर गिर पड़े. इससे पहले कि वे संभल पाते, अदनान ने उनकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया. इस दौरान तीसरे आरोपी मुदस्सिर ने उनके हाथ से सोने का कड़ा, घड़ी और कैश छीन लिया. पूरी वारदात कुछ ही मिनटों में अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए.घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के नेतृत्व में 10 टीमों का गठन किया गया. पुलिस और क्राइम ब्रांच ने मिलकर

बीजेपी नेता ने थार से किया 'तांडव', पूर्व सरपंच के कार को मारी बार-बार टक्कर, दो की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

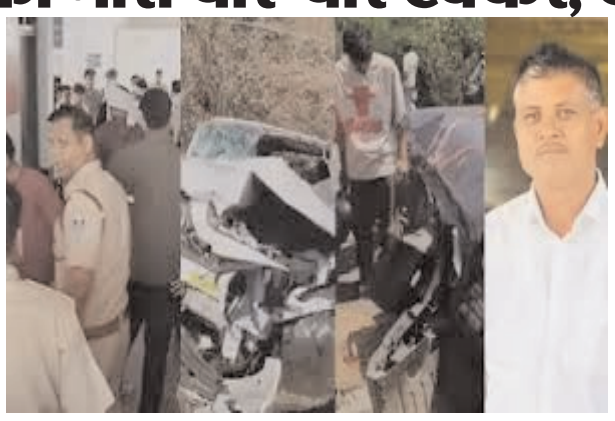

खंडवा। बीजेपी नेता ने थार से किया 'तांडव', पूर्व सरपंच के कार को मारी बार-बार टक्कर, दो की मौतमध्यप्रदेश के खंडवा के केनूद रोड पर बीजेपी नेता लवकुश ने थार से तांडव किया है। बलेनो गाड़ी में सवार परिवार को उसने टक्कर मार दी है, जिसमें दो लोगों की मौत मौके पर ही हो गई है। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है।पुलिस ने व्हाइट शर्ट में दिख रहे लवकुश को हिरासत में लियाशिवपुरी के बाद मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में भी बीजेपी नेता पर थार से तांडव का आरोप लगा है। आरोप है कि उसने अपनी थार से पूर्व सरपंच की बलेनो कार में तीन बार टक्कर मारी है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही बीजेपी नेता लवकुश को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। केनूद के पास घटी है घटना दरअसल, खंडवा के केनूद के पास सड़क हादसे में मां-बेटी की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं, एक युवती और दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए

है। सभी बलेनो कार में सवार थे। तभी तेज रफ्तार थार ने गाड़ी को कई बार टक्कर मार दी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट गया है। लोगों का कहना है कि यह हादसा नहीं साजिश है। आरोप सनावद के बीजेपी नेता लवकुश पर लगे हैं। मूंदी की ओर जा रहे थे सभी लोग वहीं, बलेनो कार में सवार सौरभ अपनी मां सुमन बाई, भाई-बहन और साले के साथ मूंदी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही थार कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सौरभ और उनकी मां सुमन बाई की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में कार में सवार सारिका, रविंद्र राठौर और रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक कुसुम सुमन बाई पूर्व सरपंच रही हैं। परिवार का यह है आरोप वहीं, परिवार के सदस्य ने बताया कि परिवार की बेटी सारी की शादी ठीकरी में तय हुई थी। पांच मई को उसकी शादी थी। लवकुश बहन के पीछे पड़ा था। दो पहले वह घर आकर धमकाया था। कहा था कि दूसरी जगह शादी नहीं होने दूंगा। मूंदी थाने में इसकी शिकायत भी हुई थी। सभी लोग कार में बैठकर थाने ही जा रहे थे। उसमें सारिका भी थी। केनूद रोड पर पहुंचे तो लवकुश सामने से कार लेकर आया और टक्कर मार दी। फिर भाग गया। लवकुश ने क्यों मारी टक्करपरिजनों का आरोप नई बलेनो कार में लवकुश ने सामने से मारी टक्करवह परिवार की बेटी की शादी का कर रहा था विरोधमूंदी थाने में परिवार ने इसके खिलाफ की थी शिकायतथाने जाने के दौरान रास्ते में ही मारी टक्करआरोपी लवकुश को हिरासत में लियापुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके बाद परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि थार वाहन का चालक सनावद निवासी और भाजपा से जुड़ा नेता लवकुश है।

मुंबईकर ध्यान दें, 20 से 27 अप्रैल तक मुंबई के कई इलाकों में होगी 5% पानी की कटौती, क्या है वजह ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबईः बृहन्मुंबई नगर निगम (**BMC**) ने मुंबई के कई हिस्सों और पूर्वी उपनगरों में 20 अप्रैल से 27 अप्रैल 2026 तक पानी की सप्लाई में अस्थायी रूप से 5 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। यह कटौती मुख्य पानी की टनलों पर जरूरी रखरखाव के काम के कारण की गई है। बीएमसी के अनुसार, इस काम में वाटर टनल नंबर 1 (AMT) और वाटर टनल नंबर 2 (AMT-w) को चार्ज करना, फ्लश करना, क्लोरीनेशन और डी-क्लोरीनेशन करना शामिल होगा। ये दोनों टनल मुंबई के पानी वितरण नेटवर्क में अहम भूमिका निभाती हैं।

क्या होगा काम?

वाटर टनल नंबर 1 अमर महल (हेगड़ेवार गार्डन) से वडाला (प्रतीक्षा नगर) तक और आगे परेल (सदाकांत धवन गार्डन) तक पानी पहुंचाती है। वहीं वाटर टनल नंबर 2 अमर महल से ट्रॉम्बे लो-लेवल और

हाई-लेवल जलाशयों तक जाती है। इससे मुख्य इलाकों में लगातार पानी की सप्लाई सुनिश्चित होती है। नगर निकाय ने बताया कि पानी सप्लाई सिस्टम की लंबे समय तक चलने वाली कार्यक्षमता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये रखरखाव के काम जरूरी हैं।

किन इलाकों में पानी की सप्लाई में कटौती

बीएमसी ने बताया कि 5 प्रतिशत की पानी कटौती से पूर्वी उपनगरों के कई वार्ड प्रभावित होंगे, जिनमें रु (कुर्ला पूर्व), रूपूर्व, रूपश्चिम, और T वार्ड शामिल हैं। इसके अलावा दक्षिण और मध्य मुंबई के कुछ हिस्सों में भी, जो, उत्तर और F दक्षिण वार्डों के अंतर्गत आते हैं। इसी दौरान पानी की सप्लाई में कमी होगी।

लोगों से सहयोग की अपील

बीएमसी ने प्रभावित इलाकों के लोगों से अपील की है कि वे रखरखाव की अवधि के दौरान पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें और प्रशासन के साथ सहयोग करें। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह कटौती अस्थायी है और इसका मकसद मुंबई के पानी के बुनियादी ढांचे की कुल विश्वसनीयता को बेहतर बनाना है।

16-17 अप्रैल को भी कुछ हिस्सों में पानी कटौती

इससे पहले 10 अप्रैल को बीएमसी ने दक्षिण मुंबई के कई हिस्सों में 16-17 अप्रैल को पानी की सप्लाई में अस्थायी रुकावट की घोषणा की थी। बीएमसी ने बताया था कि एक मुख्य पानी वितरण लाइन पर जरूरी काम करने की योजना के चलते पानी की सप्लाई 18 घंटे तक प्रभावित रहेगी। अधिकारियों ने बताया कि पानी की कटौती गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026 को सुबह 10 बजे से शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 को सुबह 4 बजे तक निर्धारित थी। उन्होंने बताया कि BMC, सेवरी के पास F-साउथ वार्ड में हाजी बंदर रोड पर टनल वॉटर पाइपलाइन पर दो 1500 मिमी के बटरफ्लाई वाल्व लगाएगी।

कौन से इलाके प्रभावित?

मुंबई बीएमसी के अनुसार, यह काम भारदावाड़ा हिल जलाशय, फॉसबरी हिल जलाशय और गोलनाजी हिल जलाशय से पानी की आपूर्ति को बेहतर बनाने और विनियमित करने के लिए किया जा रहा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस काम के कारण, **B, C, E** और **F**-साउथ **BMC** वार्डों के कुछ हिस्सों में काम चलने की अवधि के दौरान या तो पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी

नासिक में अशोक खरात के करीबी डॉ. जितेंद्र शेलके की मौत, हादसा या साजिश शिवसेना ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। महाराष्ट्र राज्य के नासिक में समृद्धि हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में शिवनिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष और अशोक खरात के करीबी डॉ. जितेंद्र शेलके की मौत हो गई है. इस हादसे के बाद इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है और मौत पर सवाल उठने लगे हैं. नासिक से बड़ी खबर सामने आई है. यहां समृद्धि हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में शिवनिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष और भोंदू बाबा अशोक खरात के करीबी माने जाने वाले डॉ. जितेंद्र शेलके की दर्दनाक मौत हो गई. यह हादसा दोपहर करीब साढ़े 12 से 1 बजे के बीच हुआ, जब उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से पीछे से जा टकराई.

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा ट्रेलर में बुरी तरह घुस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे में डॉ. शेलके की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है.

डॉ. जितेंद्र शेलके अपनी कार से संभाजीनगर की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है.

डॉ. जितेंद्र शेलके शिवनिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष थे और लंबे समय से अशोक खरात के बेहद करीबी माने जाते थे. ट्रस्ट से जुड़े कई अहम फैसलों और जमीन खरीद मामलों में उनकी अहम भूमिका रही थी. हाल ही में अशोक खरात से जुड़े मामलों के सामने आने के बाद पूरा ट्रस्ट पुलिस की निगरानी में था, हालांकि डॉ. शेलके से अब तक किसी तरह की पूछताछ नहीं हुई थी.

शिवसेना ने जताया मौत पर संदेह

इस बीच, हादसे के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है. शिवसेना (यूबीटी) की नेता सुषमा अंधारे ने इस मौत पर संदेह जताया है. उन्होंने कहा कि जितेंद्र शेलके की मौत की खबर चौंकाने वाली है. कई लोगों ने यह अंदेशा जताया था कि खरात या उनके करीबियों की जान को खतरा है. अनगिनत लोगों ने अपनी बात रखी थी. अब इस घटना का होना कहीं न कहीं उन सभी बातों को सच साबित कर रहा है. इस बहाने खरात की जान की सुरक्षा का सवाल खड़ा हो गया है.

ST बस से सफर हुआ महंगा, किराया 10% बढ़ा, हर टिकट पर 2 रुपये का एक्स्ट्रा चार्ज भी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। में स्वारगेट और शिवाजीनगर डिपो से बड़ी संख्या में एसटी बसें चलती हैं। जो राज्य के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ती हैं। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अपने पैतृक गांवों की यात्रा करने वाले पर्यटन के लिए निकलने वाले या तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होती है। यात्रियों की इस बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए एसटी निगम ने किराए में यह सीजनल बढ़ोतरी लागू की है। किराए में यह बढ़ोतरी 15 अप्रैल से 15 जून तक लागू रहेगी।

कुछ महीने पहले ही बढ़ा था किराया

एसटी निगम ने कुछ महीने पहले ही किराया बढ़ाया था। नतीजतन किराए में इस अतिरिक्त मौसमी बढ़ोतरी से आम नागरिक पर भारी बोझ पड़ने की आशंका है। इस बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर लंबी दूरी की यात्राओं पर पड़ेगा। इससे एक साथ यात्रा करने वाले परिवारों का बजट बिगड़ सकता है। एसटी प्रशासन के अनुसार, ईंधन की बढ़ती कीमतों, रखरखाव के खर्चों और यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को संभालने में आने वाली लागत की भरपाई के लिए किराए में यह बढ़ोतरी जरूरी मानी गई है।

आम यात्रियों पर बोझ

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने से एसटी निगम को किराए में इस बढ़ोतरी से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। यह भी माना जा रहा है कि यह कदम कुछ हद तक पिछले साल हुए राजस्व घाटे की भरपाई करने का एक प्रयास है, जब दिवाली के त्योहार के दौरान किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी।

कार की नहीं चुकाई किस्त तो आरोपी ने चकमा देने के लिए दूसरे की गाड़ियों का नंबर प्लेट करने लगा इस्तेमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़ । मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले की ब्यावरा सिटी थाना पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर टोल प्लाजा से वाहन निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अर्टिगा कार भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि 13 मार्च को ब्यावरा के वार्ड क्रमांक 5 आदर्श नगर निवासी फरियादी प्रेम नारायण वैष्णव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके मोबाइल पर जोगीपुरा टोल प्लाजा से टोल कटने संबंधित मैसेज आया।घर पर खड़ी थी गाड़ीइसके बाद जब फरियादी ने घर के बाहर जाकर देखा तो उनकी गाड़ी वहीं खड़ी हुई थी। इसके बाद उन्होंने संदेह होने पर टोल प्लाजा से इसकी जानकारी प्राप्त की तो वहां एक अर्टिगा कार उनकी गाड़ी का नंबर प्लेट लगाकर टोल पार करती नजर आई। इसके बाद फरियादी ने इसकी शिकायत ब्यावरा सिटी थाना पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। हाईवे से घेराबंदी कर आरोपी कन्नू को गुना से गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपी के पास से एक कार और फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की है।किस्त न चुकाने पर किया इस्तेमाल राजगढ़ पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी गाड़ी की किस्त जमा नहीं कर पा रहा था। जिसके कारण वाहन को छुपाने के लिए अलग-अलग नंबर की फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर रहा था। आरोपी ने फरियादी सहित अपने रिश्तेदारों की नंबर प्लेट का भी दुरुपयोग किया। दूसरों का नंबर प्लेट कर था यूज अपनी कार की किस्त नहीं चुका पा रहा था कन्नू दूसरों की कार का नंबर यूज कर रहा था कन्नू टोल टैक्स कटने के बाद उसकी साजिश का खुलासा ब्यावरा पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार ऐसे खुला फर्जीवाड़ा पुलिस ने बताया कि फरियादी प्रेम नारायण वैष्णव की कार एमपी 09 डब्ल्यूके 5767 नंबर 28 फरवरी से 5 अप्रैल तक घर के सामने खड़ी थी। इसके बावजूद 13 मार्च को शाम 3:26 75 रुपए और 14 मार्च को 7:57 पर ?35 का टोल काटने के मैसेज प्राप्त हुए। शक होने पर उन्होंने 1033 पर कॉल कर इसकी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 20 मार्च को फिर मैसेज आया। 19 मार्च को गुना जिले के पगार टोल प्लाजा से 85 रुपए काटने की जानकारी मिली। इस तरह कुल 195 का टोल काटने के मैसेज आने पर पुलिस से शिकायत की गई। जिसके बाद फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ी कार्रवाई, आगरा से 15वां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। चर्चित रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में जांच एजेंसियों को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा से फरार आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ 'गाठ' को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ संयुक्त रूप से की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी घटना के समय मौके पर मौजूद था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में छापेमारी की जा रही थी, जिसके बाद उसे आगरा से पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शूटर, हथियार सप्लायर और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। इससे पहले 14 अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया जा चुका था। यह मामला 31 जनवरी की रात जुहू स्थित फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग से जुड़ा है। अज्ञात हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हमला कथित रूप से उगाही (एक्सटॉर्शन) के उद्देश्य से किया गया था। आरोप है कि इस वारदात के लिए शूटरों को पैसों का लालच दिया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को कथित तौर पर 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

तमिलनाडु चुनाव 2026 में बड़ी सख्ती, 800 करोड़ से अधिक की नकदी व सामान जब्त

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 2026 के बीच चुनाव आयोग और प्रवर्तन एजेंसियों की सख्त निगरानी के चलते अब तक लगभग 800 करोड़ रुपये की नकदी, कीमती सामान और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में लगभग दोगुना बताया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2021 के चुनाव में कुल 446.28 करोड़ रुपये के उपहार और कीमती धातुएं तथा 236.70 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई थी। उस समय जब्त सामान का एक बड़ा हिस्सा वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद वापस कर दिया गया था। इस बार की कार्रवाई पहले से अधिक सख्त दिखाई दे रही है। बुधवार तक की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक करीब 800 करोड़ रुपये की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, सोना-चांदी, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। इनमें से 126.64 करोड़ रुपये की नकदी ऐसी पाई गई है जिसके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त किया गया है, वे उचित दस्तावेज प्रस्तुत कर उसे वापस प्राप्त कर सकते हैं। अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये की संपत्ति, जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं, जांच के बाद वापस भी की जा चुकी है। पूरे राज्य में यह कार्रवाई फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के संयुक्त प्रयास से की जा रही है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं और वाहनों की जांच से लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बीजेपी विधायक के बेटे की थार से 5 लोग कुचले, वीडियो वायरल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक गंभीर सड़क हादसे और कथित दबंगई का मामला सामने आया है, जिसमें पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी पर अपनी थार कार से पांच लोगों को टक्कर मारने का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जानकारी के अनुसार, घटना करैरा थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता संजय परिहार ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ सुबह करीब 7:30 बजे बाइक से मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार थार कार आई और बाइक सवार तीन मजदूरों तथा पैदल चल रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे सभी लोग घायल हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि कार दिनेश लोधी चला रहे थे और वाहन पर आगे और पीछे विधायक से जुड़े साइन भी लगे हुए थे, जिससे उसकी पहचान स्पष्ट हो रही थी। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दिनेश लोधी घायलों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह यह कहते दिख रहे हैं कि उन्होंने हॉर्न और सायरन बजाया था, फिर भी लोग रास्ते से नहीं हटे। उन्होंने यह भी कहा कि वह सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और वीडियो फुटेज को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है। इस बीच, जानकारी यह भी सामने आई है कि आरोपी दिनेश लोधी ने खुद पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वहीं, विधायक पिता प्रीतम सिंह लोधी ने भी कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और यदि किसी ने गलती की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

टीसीएस नासिक कांड में किसी को नहीं बख्शेंगे, किसी को सुरक्षा नहीं मिलेगी : फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नासिक कांड पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों से हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले नासिक से 7 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला कर्मचारी भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम फडणवीस ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। साथ ही कहा है कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इसकी जड़ तक जाने के लिए जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसमें शामिल किसी को नहीं बख्शेंगे। किसी को भी सुरक्षा नहीं मिलेगी। हमने केंद्रीय एजेंसियों से इस मामले की जांच करने को कहा है। उन्होंने आशंका जताई है कि मामला बड़े मॉड्यूल से जुड़ा हो सकता है। बता दें गुरुवार को इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 18 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों की पहचान रजा रफीक मेमन (35) और शफी बिखान शेख (36) के रूप में हुई है। इन्हें संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बुधवार को फिर से गिरफ्तार किया गया। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने दो महिला आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करते हुए बुधवार को कहा था कि गिरफ्तार की गई यूनिट की ऑपरेशन और एचआर प्रमुख ने कथित तौर पर एक पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से हतोत्साहित किया था।

होर्मुज के हालात पर भारत की दो टूक कहा- नाविकों की मौत, जहाजों पर खतरा हमें स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मालवाहक जहाजों की सुरक्षा और वहां लगातार बढ़ते तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने दो टूक शब्दों में कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आम नागरिकों की हत्या और व्यापारिक जहाजों पर मंडराता खतरा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। भारतीय प्रतिनिधि ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने और मध्य पूर्व में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत की है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत हरीश पी ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से होने वाला समुद्री व्यापार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर गहरा दुख जताया कि वर्तमान संघर्ष के दौरान व्यापारिक जहाजों को सैन्य हमलों का निशाना बनाया गया है। भारतीय राजदूत ने कहा कि इस युद्ध की स्थिति के कारण जहाजों पर कार्यरत कई भारतीय नाविकों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है, जो बेहद दुखद

और चिंताजनक है।

भारत ने स्पष्ट किया है कि बेगुनाह नाविकों की जान जोखिम में डालना या अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग में रुकावट पैदा करना वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारतीय प्रतिनिधि ने मांग की कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही फिर से बहाल हो सके। 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए शांति स्थापित करने और सभी देशों की संप्रभुता एवं सीमाओं के सम्मान की बात दोहराई है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर वार्ता के दौरान इस जलमार्ग को खोलने की अंतरराष्ट्रीय मांग पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान होना चाहिए, वहीं दूसरी ओर समुद्री सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता की गारंटी भी दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में ईरान के साथ बातचीत विफल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज पर नाकेबंदी का ऐलान कर दिया था, जिसके कारण कई जहाजों को वापस लौटना पड़ा। दूसरी तरफ, ईरान इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अपना पूर्ण नियंत्रण होने का दावा करता रहा है, जिससे क्षेत्र में सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ होगी एफआईआर, हाईकोर्ट ने कहा- ब्रिटिश नागरिकता की जांच करे सीबीआई

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर करने का आदेश आदेश दिया है। इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की थी। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफिसियल सीक्रेट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाये हैं। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका में उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फॉरेनर्स एक्ट 1946 के उल्लंघन के मामले बनते हैं।

महिला आरक्षण पर मायावती का प्रहार, कांग्रेस को बताया गिरगिट, सपा-भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने और इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने विशेष रूप से कांग्रेस की तुलना गिरगिट से करते हुए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को इन दलों के दोहरे चरित्र से सावधान रहने की सलाह दी है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि आज जो कांग्रेस महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की भागीदारी की बात कर रही है, वही पार्टी केंद्र की सत्ता में रहते हुए इन वर्गों के आरक्षण कोटे को पूरा करने में हमेशा विफल रही। उन्होंने याद दिलाया कि ओबीसी समाज के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल कांग्रेस ने नहीं, बल्कि बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार ने की थी। मायावती ने सपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ी मुस्लिम जातियों को ओबीसी का लाभ देने वाली 1994 की रिपोर्ट को सपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, जिसे बाद में 1995 में बसपा सरकार ने लागू किया। उनके अनुसार, सपा जब सत्ता में होती है तो उसका रवैया जातिवादी और तिरस्कारी

होता है, लेकिन विपक्ष में आते ही वह राजनैतिक स्वार्थ के लिए रंग बदल लेती है।

परिसीमन के मुद्दे पर मायावती ने स्पष्ट किया कि यदि महिला आरक्षण को जल्दी लागू करना है, तो इसे 2011 की जनगणना के आधार पर ही करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि आज कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती। मायावती ने जोर देकर कहा कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी दल गंभीर नहीं है। उन्होंने इन वर्गों के लोगों को सलाह दी कि वर्तमान में जो कुछ भी मिल रहा है, उसे स्वीकार कर लें और किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने आह्वान किया कि इन वर्गों को खुद अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाना होगा, क्योंकि भविष्य में सही समय आने पर ही उनके हितों का पूर्ण ध्यान रखा जा सकेगा।

संगठन की मजबूती के लिए मंथन में जुटी कांग्रेस, उधर आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु

शिमला (एजेंसी)। देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी खुद की मजबूती के लिए विचार मंथन कर रही है। गुरुवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रदेश कांग्रेस इकाई की पहली महत्वपूर्ण आम सभा पार्टी मुख्यालय, राजीव भवन में आयोजित की गई। प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के आगामी रोडमैप और आंतरिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु हो गईं।

पार्टी के भीतर चल रही खींचतान और वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की नाराजगी की अटकलों पर हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने विराम लगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि शिमला में आनंद शर्मा से उनकी मुलाकात हुई है और पार्टी छोड़ने जैसी चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। पाटिल ने स्वीकार किया कि राज्यसभा टिकट न मिलने या अन्य कारणों से काम करने वाले नेताओं में स्वाभाविक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन पार्टी सभी को साथ लेकर चलेगी।

गौरतलब है कि आनंद शर्मा द्वारा हाल ही में विदेश नीति पर केंद्र के रुख की सराहना किए जाने के बाद उनके अगले कदम को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज थीं। वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर ने भी इस दौरान वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी का मुद्दा उठाया।

बैठक में प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, कैबिनेट मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, सह-प्रभारी विधित चौधरी और संगठन महासचिव विनोद जिंटा सहित कार्यकारिणी के सदस्य और सभी जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने स्पष्ट किया कि संगठन का पुनर्गठन लंबे समय बाद हुआ है, और अब मुख्य फोकस जिला व जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाकर आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी करना है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए कहा कि इसे लागू करने से पहले जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होना अनिवार्य है।बैठक के दौरान संगठन में 'एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत को लागू करने पर भी गंभीर मंथन हुआ। प्रभारी ने स्पष्ट संकेत दिए कि जो नेता संगठन और सरकार दोनों में पदों पर आसीन हैं, उन्हें एक जिम्मेदारी छोड़नी होगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बंद कमरे में कुछ नेताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। विशेष रूप से मंडी और बिलासपुर जिलों से जुड़े नेताओं ने काम न होने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। कुल मिलाकर, इस आम सभा के जरिए कांग्रेस ने जहां एक ओर पंचायत चुनावों के लिए बिगुल फूंका, वहीं दूसरी ओर आंतरिक असंतोष को शांत कर एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया है।

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने आप पर कसा तंज, बोले- मैं हाल ही में हटाया गया उपनेता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में शुक्रवार को एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने सदन में बोलते हुए अपनी ही पार्टी पर तंज कस दिया। उन्होंने कहा कि वह 'हाल ही में हटाए गए उपनेता' हैं और इसके बावजूद सदन में मौजूद हैं, जबकि उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अनुपस्थित हैं। सांसद चड्ढा ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर अभिनंदन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता और नवनियुक्त उपनेता सदन में मौजूद नहीं हैं, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने संजय सिंह और अशोक कुमार मित्तल पर निशाना साधा। इस दौरान चड्ढा ने उपसभापति को बधाई देते हुए उन्हें बोलने का अवसर देने के लिए धन्यवाद भी दिया। उनका यह बयान पार्टी के भीतर हालिया मतभेदों की ओर इशारा करता है, जो सार्वजनिक रूप से भी चर्चा में रहे हैं। उधर, राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को निर्विरोध उपसभापति चुना गया। उनके समर्थन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन अन्य सदस्यों ने किया और इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। घोषणा के बाद सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने उन्हें उपसभापति निर्वाचित घोषित किया। इसके पश्चात सदन के नेता और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें उनकी सीट तक पहुंचाया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हरिवंश का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है, जो उनकी स्वीकार्यता और संसदीय अनुभव को दर्शाता है। वहीं, राघव चड्ढा का बयान राज्यसभा के इस औपचारिक अवसर पर भी राजनीतिक हलचल पैदा कर गया।

संजय राउत का दावा: मुसीबत में थे अमित शाह तब बालासाहेब ठाकरे ने किया था जज को फोन

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना संस्थापक दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। राउत के मुताबिक, जब अमित शाह गुजरात की राजनीति में संकट में थे और उनके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा कई मामले दर्ज किए गए थे, तब वे मदद के लिए बालासाहेब ठाकरे के पास पहुंचे थे। राउत का दावा है कि उस समय बालासाहेब ने एक जज को फोन कर अमित शाह की मदद करने के लिए कहा था।

यह दावा संजय राउत ने कपिल सिब्बल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान किया। हालांकि, जब उनसे शिवसेना में हुई टूट पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस पुरानी घटना का जिक्र किया। संजय राउत ने अमित शाह से जुड़ी घटना का विवरण देते हुए बताया, मातोश्री में बालासाहेब ठाकरे, मैं और हमारे कुछ साथी बैठे थे तो गेट से बार-बार एक मैसेज आता था कि कोई गुजरात से विधायक अमित शाह है जो बालासाहेब से मिलना चाहते हैं। बालासाहेब ने शाम को आने को कहा। राउत ने आगे बताया, अमित शाह फिर शाम को आए और सिक्योरिटी ने फोन किया तो फोन मैंने ही उठाया। मैंने बालासाहेब से कहा कि कोई अमित शाह गुजरात से आया है, बहुत परेशानी में है, एक बार आप मिल लीजिए। उन्होंने कहा अगले दिन 11 बजे बुला लो।

शाह ने कहा था तड़ीपार किया है मदद कीजिए

अगले दिन सुबह 11 बजे अमित शाह आए और बालासाहेब को प्रणाम किया। राउत के अनुसार, अमित शाह ने बालासाहेब से कहा, साहेब, मैं कट्टर हिंदुवादी हूं और कांग्रेस ने मेरे ऊपर बहुत केस कर रखे हैं। मुझे तड़ीपार कर दिया है। मैं गुजरात भी नहीं जा सकता। अब मेरी फाइल मुंबई ट्रांसफर हो गई है तो आप जज को फोन करो वो आपकी बात मानेंगे। संजय राउत ने दावा किया कि इसके बाद बालासाहेब ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी को जज के पास भेजा और कहा कि तुम अपने फोन से जज से मेरी बात करवाना। जोशी ने जज से बालासाहेब की बात करवाई और बालासाहेब ने जज से कहा, तुम अमित शाह की मदद करो वो परेशानी में है। जज ने जवाब दिया, साहेब ये डबल बेंच है और दूसरा जज मुस्लिम है। तो बालासाहेब बोले, तुम तो हिंदू हो मदद करो। संजय राउत ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बालासाहेब की इतनी मदद और उपकार करने के बाद भी इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए शिवसेना तोड़ दी।

किसान हितों के मामले में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीरो टॉलरेंस की नीति

हैदराबाद (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा, जिस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज के निर्देशों के बाद मामले में तेज़ कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कृषि मंत्री शिवराज ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने नई दिल्ली में उनसे भेंट कर करेला फसल में अमानक बीज और रोपे के कारण हुए गंभीर नुकसान की जानकारी दी, जिस पर श्री चौहान ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को साफ कहा कि प्रभावित किसानों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज और रोपे खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा। किसानों ने जब दिल्ली आकर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह को ये सब बातें बताई तो श्री चौहान ने कहा कि यह मामला केवल फसल खराब होने का नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे, मेहनत और पूंजी को नुकसान पहुंचाने का है। श्री शिवराज सिंह के निर्देश पर इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए वैधानिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच आगे बढ़ाई गई है।

क्या है परिसीमन? जिससे बढ़ गई लोकसभा में सीटें...आसान भाषा में समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिसीमन शब्द इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शायद बहुत कम लोग परिसीमन शब्द का अर्थ जानते हैं। परिसीमन का सीधा अर्थ है.....जनसंख्या के आधार पर लोकसभा या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना है। यह काम स्वतंत्र परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है, जिसका गठन राष्ट्रपति के नोटिफिकेशन के दवारा होता है। इस आयोग के पास इतनी ताकत होती है कि इसके फैसलों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती।

परिसीमन का अर्थ

जैसे-जैसे किसी शहर या इलाके की आबादी बढ़ती है, वहां की जरूरतों को संभालने के लिए नए वार्ड या चुनाव क्षेत्र बनाने पड़ते हैं। इसतरह, पूरे देश में जनसंख्या के हिसाब से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने की प्रक्रिया को परिसीमन कहते हैं। इसका मकसद यह है कि हर सांसद या विधायक करीब बराबर आबादी का प्रतिनिधित्व करे, ताकि लोकतंत्र में एक वोट, एक मूल्य का सिद्धांत बना रहे। परिसीमन से जुड़ी 5 मुख्य बातें जो आपको जाननी जरुरी हैं।

सीटें क्यों बढ़ रही हैं? अभी हम 1971 की आबादी के हिसाब से चल रहे हैं। बीते 55 साल में देश में 2.25 गुना जनसंख्या बढ़ी है। आबादी बढ़ने से काम में बढ़ोतरी भी होगी। इसकारण सांसदों की संख्या भी 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करने की तैयारी है। इसके लिए एक परिसीमन आयोग बनता है। यह इतनी पावरफुल बॉडी है कि इसके फैसले को आप किसी कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते। इसमें सीटें आबादी के हिसाब से तय होती हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में सीटों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। यानी संसद में इन राज्यों के सांसदों का दबदबा बढ़ेगा।

वहीं तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों ने जनसंख्या कंट्रोल करने में बहुत अच्छा काम किया है। अब उन्हें ऐसा डर है कि आबादी कम होने के कारण उनकी सीटों में बढ़ोतरी कम होगी, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर पड़ जाएगी। वे इसे अच्छे काम के लिए मिली सजा मान रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का कहना है कि यह राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ सकता है और इससे केवल उन राज्यों को फायदा होगा जहाँ भाजपा मजबूत है।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

निवेशकों ने कमाया 9 लाख करोड़

मुंबई।

शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स्-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूस्ष्ट्ठ का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढ़कर छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स्×क्क 500 1.2 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पल-पल बदल रहा तेल बाजार....कभी 100 के पार, अब 90 डालर के करीब

नई दिल्ली, ।

दुनिया के तेल बाजार में फिर बड़ा उतार-चढ़ाव दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले जो कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच गया था, अब फिसलकर 90 डॉलर के करीब पहुंच गया है। बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार का मूड अचानक बदल गया है और माहौल में अनिश्चितता साफ महसूस हो रही है।तेल की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह इस बात की उम्मीद हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। खबरें हैं कि अगले दो दिनों में दोनों देश आमने-सामने आ सकते हैं। बस इसी संभावना ने बाजार की दिशा बदल दी। जहां पहले डर हावी था, अब वहां थोड़ी राहत की उम्मीद दिख रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, अब भी तनाव बरकरार है। यहां किसी भी तरह की रुकावट पूरी दुनिया की सप्लाई को हिला सकती है। इसकारण बाजार हर छोटी खबर पर तेजी से प्रतिक्रिया दे रहा है।इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी आईईए ने एक और चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी का कहना है कि इस साल वैश्विक तेल की मांग घट सकती है। अगर ऐसा हुआ, तब यह 2020 के बाद पहली बार होगा। ऊंची कीमतों ने खपत को दबा दिया है और अब इसका असर साफ दिख रहा है। उधर अमेरिका से आई खबर ने भी बाजार को झटका दिया। कच्चे तेल का भंडार 6.1 मिलियन बैरल बढ़ गया है। यह लगातार आठवां हफ्ता है जब स्टॉक बढ़ा है। यानी बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि सप्लाई जरूरत से ज्यादा है। यही कारण है कि कीमतों पर दबाव बना हुआ है।वहीं कुछ दिन पहले बिल्कुल अलग तस्वीर सामने थी। सोमवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार निकल गई थीं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रही और तनाव अचानक बढ़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख दिखाकर होरमुज क्षेत्र में कार्रवाई की बात कही। बस फिर क्या था, बाजार में डर की लहर दौड़ गई और कीमतें तेजी से उछल गईं। हाल के महीनों में तेल की कीमतों ने कई बार चौंकाया है। मार्च में ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि यह अभी भी 2008 के 147 डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है, लेकिन बाजार की तेजी और गिरावट दोनों ही यह दिखा रही हैं कि हालात कितने अस्थिर हैं।

भारत के फार्मा मार्केट में किंग बनी डॉ. रेड्डीज..दूसरे पायदान पर सन फार्मा

भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की

मुंबई, ।

भारत का दवा बाजार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह ग्रोथ 9.9 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में बाजार ने 11.6 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी। कुल मिलाकर बाजार का आकार करीब 211 अरब रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेक्टर की मजबूत स्थिति को दिखाता है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उन दवाओं का हैं, जो लंबी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। क्रॉनिक थैरेपी की दवाएं मार्च में करीब 14 प्रतिशत बढ़ीं। इसके मुकाबले एक्यूट बीमारियों की दवाएं सिर्फ 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी। खासकर एंटी-इंफेक्टिव और सांस से जुड़ी दवाओं की कमजोर मांग ने दवा सेंगमेंट को पीछे खींच लिया। बाजार का बड़ा हिस्सा अभी भी एक्यूट दवाओं का है, लेकिन उनकी धीमी चाल अब साफ नजर आने लगी है।दिलचस्प बात यह है कि बाजार की कमाई बढ़ने के बावजूद दवाओं की असली मांग में गिरावट देखी गई। कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं और लगातार नई दवाएं लांच कीं, जिससे कुल रेवेन्यू में इजाफा हुआ। लेकिन वॉल्यूम के लिहाज से बिक्री 0.2 प्रतिशत घट गई। यानी लोग दवाएं कम खरीद रहे हैं, पर महंगी दवाओं और नए प्रोडक्ट्स की वजह से कंपनियों की कमाई बढ़ रही है। मार्च 2026 में बाजार में एक बड़ा मोड़ आया जब सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाएं लांच हुईं। ये वहीं दवा है जो डायबिटीज और वजन घटाने के इलाज में इस्तेमाल होती है। हैरानी की बात यह हैं कि लांच के सिर्फ 11 दिनों के भीतर ही इन सस्ती दवाओं ने नोवो नॉर्डिस्क जैसी बड़ी कंपनी की ब्रांडेड दवाओं को पीछे छोड़ दिया। जीएलपी-1 सेगमेंट की कुल बिक्री करीब 2.1 अरब रुपये तक पहुंच गई और पूरे बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी।थैरपी के हिसाब से कैंसर की दवाओं ने सबसे तेज रफ्तार दिखाई और करीब 28 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। दिल से जुड़ी दवाएं 15 प्रतिशत और डायबिटीज की दवाएं 14 प्रतिशत बढ़ीं। दूसरी तरफ, सांस और इंफेक्शन से जुड़ी दवाएं कमजोर रहीं और इनकी ग्रोथ काफी सीमित रही। यह साफ संकेत है कि भारत में अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।टॉप 20 फार्मा कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। डॉ. रेड्डीज ने सबसे तेज दौड़ लगाई और करीब 18 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। सन फार्मा भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में रही। ल्यूपिन, अजंता, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड और टोरेंट जैसी कंपनियां भी बाजार से तेज बढ़ती दिखीं। हालांकि एलेम्बिक का प्रदर्शन कमजोर रहा और उसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

महंगाई फिलहाल काबू में, 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है

-रिपोट मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, अब दबाव बनना शुरू

नई दिल्ली, ।

ईरान युद्ध के चलते देश में महंगाई फिलहाल काबू में नजर आ रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो अभी आरामदायक स्तर पर है, लेकिन धीरे-धीरे दबाव बनना शुरू हो गया है। मार्च में गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, खासकर एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ। इसके बावजूद इसका असर आम लोगों तक नहीं पहुंचा, जिससे महंगाई ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन यह राहत कितने समय तक रहेगी, यह बड़ा सवाल है।रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन महंगाई तेजी से बढ़कर 1.7 फीसदी हो गई, जो फरवरी में करीब ना के बराबर थी। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा। वहीं, खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़कर 3.7 फीसदी तक पहुंच गई, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ सकता है। खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की कीमतों में थोड़ी राहत जरूर दिखी और कोर महंगाई घटकर 3.3 फीसदी हो गई। सोने और चांदी की कीमतों में नरमी इसका कारण रही, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, इस पर सबकी नजर है।एक निजी बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है यानी अभी जो स्थिति शांत दिख रही है, वह आगे चलकर गर्म हो सकती है। खासकर अगर तेल की कीमतें बढ़ती रहीं, तो असर और तेज हो सकता है। रिपोर्ट में एक और बड़ा खतरा सामने आया है। मौसम विभाग ने इस बार मानसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ, तो फसल पर असर पड़ेगा और खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल रिजर्व बैंक के रुख में बदलाव की उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर ही बनी रह सकती है यानी अभी केंद्रीय बैंक स्थिति को देखना चाहता है, बिना जल्दबाजी में कोई फैसला लिए। महंगाई के आंकड़ों का बॉन्ड बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 6.94 फीसदी के आसपास बनी रही, जो यह दिखाता है कि बाजार ने फिलहाल इन आंकड़ों को स्थिर माना है।

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक नहीं पड़ेगी फीकी, गिरावट से बढ़ी खरीदारी

ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, ।

अक्षय तृतीया पर भी बाजार में सोने की चमक फीकी पड़ती नहीं दिख रही। त्योहार से पहले ही सोने के गहनों और सिक्कों की मांग बढ़ रही है। ज्वेलरी कारोबारियों के मुताबिक ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान सोने की कीमतों में तेज हैं, लेकिन हाल में आई थोड़ी गिरावट ने ग्राहकों की खरीदारी को फिर से बढ़ावा दिया है।बाजार के जानकारों का कहना है कि इस अक्षय तृतीया पर बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बढ़त देखने को मिल सकती है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के बीच दो तरह का ट्रेंड साफ दिख रहा है। एक तरफ बड़ी संख्या में लोग हल्के और किफायती गहनों की खरीद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाई स्पेंडिंग वाले ग्राहक महंगे और प्रीमियम ज्वेलरी जैसे सोलिटेयर सेट में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा इस बार त्योहार रविवार को पड़ रहा है, जिससे वीकेंड का फायदा भी बाजार को मिल सकता है और बिक्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स के एमडी के मुताबिक इस बार अक्षय तृतीया रविवार और सोमवार को पड़ रही है, जिससे खरीदारी का समय भी ज्यादा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले से ही बड़ी संख्या में प्री-बुकिंग हो चुकी है और शोरूम में रोजाना ग्राहकों की पूछताछ बढ़ रही है। खासतौर पर ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कंपनी ने क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी भी की है, जिसका फायदा सोने के सिक्कों की बिक्री में दिख रहा है। शगुन के लिए गोल्ड कॉइन हमेशा पसंद किए जाते हैं और अब स्विगी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग आखिरी समय में भी आसानी से खरीदारी कर पा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर मॉल्स और रिटेल बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स के ऑपरेशंस हेड ने बताया कि अक्षय तृतीया पर हर साल ज्वेलरी की डिमांड बढ़ती है और इस बार भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सोने की कीमतें ऊंची होने के बावजूद लोगों की खरीदारी की इच्छा कमजोर नहीं पड़ी है। ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मॉल्स में खास ज्वेलरी जोन भी तैयार किए गए हैं। अब यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। शादी के सीजन के लिए भी ग्राहकों की दिलचस्पी अभी से दिखने लगी है। खास बात यह है कि पुरुषों की ज्वेलरी की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर कंपनी को पिछले साल की तुलना में इस समय 15 से 20 फीसदी तक की ग्रोथ दिख रही है। डिमांड को और बढ़ाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दे रही हैं। फेस्टिव ऑफर के तहत मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट और डायमंड की कीमत पर अतिरिक्त 15 फीसदी की फ्लैट छूट दी है। वहीं कल्याण ज्वेलर्स भी मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट दे रही है।इसी तरह इंडिरिया के सीईओ ने बताया कि 'बड़ा शगुन, बड़े ऑफर्स' अभियान के तहत ग्राहकों को मेकिंग चार्ज और डायमंड वैल्यू पर 35 फीसदी तक का फायदा मिल रहा है।

साथ ही डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम में ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर बुकिंग के समय और खरीद के समय के बीच कम कीमत वाले गोल्ड रेट का फायदा उठा सकते हैं।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली, ।

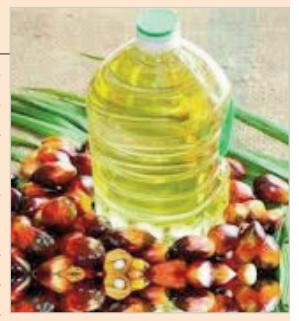

भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है। जंग के शुरु होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। मोदी सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें।खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चलता है। मार्च में आए आंकड़े अद्यतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तीसरे आंकड़े हैं। अगर एनएसओ द्वारा जारी पिछली श्रृंखला के आंकड़ों से तुलना की जाए तो महंगाई दर 13 महीने के उच्च स्तर पर है। इलके पहले मार्च 2025 में महंगाई दर इससे अधिक 3.56 प्रतिशत पर थी।

देश में गर्मी बढ़ी पर बिजली की मांग नहीं? खपत में सुस्ती, कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में

-मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है

नई दिल्ली, ।

देश में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली की मांग उसी रफ्तार से नहीं बढ़ रही। एक ताजा रिपोर्ट ने पावर सेक्टर की एक चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है, जहां खपत में सुस्ती है और कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बिजली की मांग में केवल 1.9 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि मार्च 2026 में यह बढ़त सिर्फ 0.7 फीसदी रही। पूरे साल में मांग करीब स्थिर रही और इसमें सिर्फ 0.8 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक चले मानसून और गर्मी की धीमी शुरुआत ने मांग को प्रभावित किया। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियों में कमजोरी भी एक बड़ा कारण रही। हालांकि अधिकतम बिजली मांग बढ़कर करीब 245 गीगावॉट तक पहुंच गई, लेकिन बिजली संयंत्रों का उपयोग कम रहा। मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है। एनटीपीसी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। एनटीपीसी का पीएलएफ घटकर करीब 76.7 फीसदी रह गया, जबकि टाटा पावर का करीब 63 फीसदी रहा। इसके चलते कंपनियों के मुनाफे में सीमित बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईईएक्स पर बिजली का कारोबार मार्च 2026 में 23.5 फीसदी बढ़ा। सौर ऊर्जा के समय कीमतें घटकर करीब 3.3 रुपए प्रति यूनिट रहीं, जबकि अन्य समय में यह बढ़कर करीब 5.3 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच गईं। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा में तेजी जारी है और करीब 368 गीगावॉट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट में इस सेक्टर में निवेश के लिए सीईएससी और एनटीपीसी को अपने टॉप पिक्स बताया है। कंपनी का मानना है कि इन कंपनियों का प्रदर्शन बाकी के मुकाबले बेहतर रह सकता है।

मिल गया 565 करोड़ रुपये का आर्डर.. तूफान की तरह दौड़ पड़ा सरकारी कंपनी का शेयर

मुंबई, ।

रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह शेयर में जुलाई 2024 के बाद की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि रेल विकास निगम (आरवीएनएल) से 565 करोड़ रुपये के दो लेटर ऑफ अवॉर्ड मिले हैं। यह ऑर्डर रेलवे सुरंगों में व्यापक और एकीकृत संचार सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (एसआईटीसी) से जुड़ा है। इसके अलावा, कंपनी को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोमोशन बोर्ड से 44 करोड़ रुपये का एक और वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भर्ती परीक्षाओं के लिए सुरक्षा से जुड़ी सहायक सेवाओं से संबंधित है। इस बीच, रेलटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति से आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की खरीद और रखरखाव के लिए 17.12 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियम, 2015 के तहत दी गई जानकारी के अनुसार, अपरिहार्य प्रशासनिक कारणों के चलते ग्राहक ने इस वर्क ऑर्डर को रद्द कर दिया है।ये खबर आते ही रेलटेल के शेयरों में बुधवार को भारी वॉल्यूम के साथ कारोबार हुआ। ट्रेडिंग के पहले 60 मिनट में ही 1.5 करोड़ से ज्यादा शेयरों में सौदे हुए, जो 20 दिन के औसत 4.2 लाख शेयरों से काफी ज्यादा है। दोपहर 12:22 बजे रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर बीएसई पर 13.94 फीसदी चढ़कर 324.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुके है। हालांकि 2026 में अब तक इसमें करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। तीन महीने में शेयर में 8 फीसदी और छह महीने में 13.13 फीसदी की गिरावट आई है। एक साल में स्टॉक ने 5.53 फीसदी का रिटर्न दिया है।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

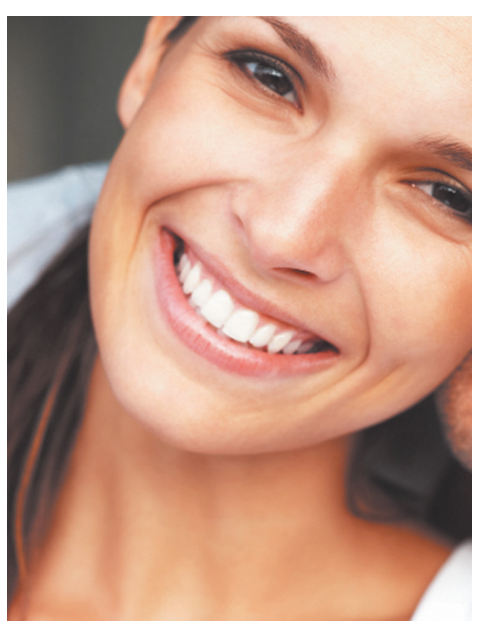

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में उनसे ऊपर क्रिस गेल 22 शतक, बाबर आजम 11 शतक और डेविड वॉर्नर 10 शतक हैं।

मुम्बई इंडियंस को हराकर पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर

मुंबई (एजेंसी)। प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 80) और श्रेयस अय्यर (66) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 21 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई उसने तीसरे ही ओवर में प्रियांश आर्य (15) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कूपर कॉनली भी (17) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों बल्लेबाजों को ए एम गजनफर ने आउट किया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 139 रन जोड़े। 16वें ओवर शार्दुल ठाकुर ने श्रेयस अय्यर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 66 रनों की पारी खेली। पंजाब किंग्स ने 16ञ्3 ओवरों में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 80 रनों की पारी खेली। मार्कस स्टॉयनिस 10 रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस की यह पांच मैचों में लगातार चौथी हार है।

आज यहां इससे पहले क्विंटन डी कॉक (नाबाद 112) और नमन धीर (50) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ छह विकेट पर 195 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे अर्शदीप सिंह ने तीसरे ही ओवर में रायन रिकलटन (दो) और सूर्यकुमार यादव (शून्य) के रूप में दोहरे झटके दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नमन धीर ने क्विंटन डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 122 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में शशांक सिंह ने नमन धीर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। नमन धीर ने 31 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में हार्दिक पंड्या (14) एक बेहतरीन कैच पर लपके गये। उन्हें मार्को यानसन ने आउट किया। 19वें ओवर की पांचवी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (एक) को बोल्ड कर पंजाब को पांचवीं सफलता दिलाई। तिलक वर्मा (आठ) रन आउट हुये।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी।

वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे।

आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

आरसीबी : रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, ऋणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर-देवदत्त पडिक्कल

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), पाथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, औकिब नबी डार, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

इम्पैक्ट प्लेयर-समीर रिजवी

नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)।' जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।'

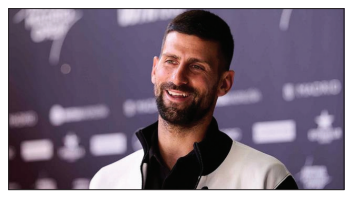

25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

'यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है', रिकी पोंटिंग ने खोला पंजाब किंग्स की सफलता का राज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस पर अपनी टीम की 7 विकेट की शानदार जीत के बाद जीतने वाली सोच बनाने के पीछे के मुख्य कारणों का खुलासा किया। PBKS ने IPL 2026 सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज की। वे एकमात्र ऐसी टीम हैं जिसे अभी तक कोई हरा नहीं पाया है। पांच मैचों में से उन्होंने चार जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि एक जीतने वाली टीम बनाने की शुरुआत एक ऐसा माहौल बनाने से होती है जहां खिलाड़ियों को लगे कि उनकी कद्र हो रही है और वे टीम के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक कोच के तौर पर उनकी भूमिका खिलाड़ियों को नियंत्रित करने के बजाय उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें चुनौती देना है, और असफलता को खेल का ही एक हिस्सा मानना है।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, इसकी शुरुआत एक सही माहौल बनाने से होती है जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसकी कद्र हो रही है और वे सभी एक ही सोच रखते हैं। एक कोच के तौर पर मैं वहां उनका समर्थन करने और उन्हें चुनौती देने के लिए हूं, न कि उन्हें नियंत्रित करने के लिए। यहां तक कि जब वे असफल होते हैं, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि यह खेल का ही एक हिस्सा है।'

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने आगे कहा कि ञ्20 क्रिकेट में सफलता कुछ खिलाड़ियों के आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने पर निर्भर करती है, इसलिए खिलाड़ियों की भूमिकाएं साफ तौर पर तय होना और टीम का सही कल्चर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने से उन्हें शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली है, जिससे बदले में टीम को भी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी भी दिन आपको बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालें। इसलिए यह एक मजबूत टीम बनाने के बारे में है, जिसमें हर खिलाड़ी की भूमिका साफ तौर पर तय हो। हमारी नीलामी की रणनीति का भी यह एक बड़ा हिस्सा था - सही लोगों को टीम में लाना ताकि टीम का माहौल (culture) सही बन सके। जब खिलाड़ियों को लगता है कि टीम उनके साथ खड़ी है - जैसे कि प्रभसिमरन या शशांक जैसे खिलाड़ी - तो वे अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देते हैं और यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है।'

चोट के कारण एकिटिके बाकी सीजन और फुटबॉल विश्वकप से बाहर

लंदन। फ्रांस के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके, लिवरपूल के चैंपियंस लीग मैच में पेरिस सेंट-जर्मेन से हार के दौरान एच्लीस टेंडन में चोट लगने के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। एकिटिके पहले हाफ में फिसलने के बाद एनफील्ड के मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर निकले। लिवरपूल को डर है कि 23 साल का यह खिलाड़ी लंबे समय तक खेल से बाहर रह सकता है, जिससे वह अगले सीज़न की शुरुआत में भी नहीं खेल पाएगा। बुधवार को उनका स्कैन हुआ, जिसमें गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को जारी एक बयान में लिवरपूल ने उनके ठीक होने की कोई समय-सीमा नहीं बताई। क्लब ने कहा, 'चोट के स्कैन से बाद में एच्लीस टेंडन फटने की पुष्टि हुई है। इसलिए, एकिटिके क्लब सीजन के बाकी हफ्तो के लिए खेल से बाहर रहेंगे और इस गर्मी में फ्रांस के साथ होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस बारे में आगे की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' बुधवार रात, फ्रांस के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन द्वारा जारी एक बयान में कहा कि एकिटिके अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले इस गर्मी के टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा- 'ह्यूगो उन दर्जन भर युवा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने हाल के महीनों में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना डेब्यू किया है। वह मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह टीम के साथ पूरी तरह से घुल-मिल गए थे। यह चोट बेशक उनके लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन फ्रांस की टीम के लिए भी यह एक बड़ा झटका है।'

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है। दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है।

श्रेयस अय्यर ने हवा में उड़कर पकड़ा नामुमकिन सा कैच, रोहित और सूर्या रह गए दंग, रिएक्शन वीडियो हुआ वायरल

मुंबई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर शानदार फील्डिंग करते हुए रिले कैच पूरा कराया, जिससे हार्दिक पांड्या आउट हुए। इसे देखकर रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव हैरान रह गए।

आईपीएल में बाउंड्री लाइन पर रिले कैच हमेशा से फैंस के लिए खास आकर्षण रहे हैं और आईपीएल 2026 के 24वें मुकाबले में भी ऐसा ही शानदार नजारा देखने को मिला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले जा रहे मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फुर्ती और सूझबूझ से एक बेहतरीन रिले कैच पूरा कर सभी को हैरान कर दिया। बाउंड्री के पास संतुलन बिगड़ने के बावजूद उन्होंने गेंद को साथी खिलाड़ी की ओर उछालकर विकेट हासिल कराया, जो इस मैच का यादगार पल बन गया।

बाउंड्री लाइन पर श्रेयस अय्यर का शानदार कमाल

यह शानदार कैच उस समय देखने को मिला जब मार्को यानसेन की गेंद पर हार्दिक पांड्या ने सामने की ओर बड़ा शॉट खेला। लॉन्ग ऑन पर खड़े श्रेयस अय्यर ने दौड़ते हुए गेंद को लपका, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाउंड्री लाइन के बाहर जाने लगे। ऐसे में उन्होंने शानदार समझदारी दिखाते हुए हवा में ही गेंद को मार्को यानसेन की ओर उछाल दिया। यानसेन ने बिना कोई गलती किए कैच पूरा कर लिया और हार्दिक पांड्या की पारी का अंत कर दिया। यह रिले कैच फील्डिंग के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जा रहा है।

रोहित और सूर्यकुमार का रिएक्शन हुआ वायरल

श्रेयस अय्यर का यह कमाल मुंबई इंडियंस के डगआउट के सामने ही हुआ, जहां रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव बैठे हुए थे। इस शानदार फील्डिंग को देखकर दोनों खिलाड़ी हैरान रह गए। सूर्यकुमार यादव का मुंह खुला रह गया, जबकि रोहित शर्मा आश्चर्य से उनकी ओर देखते नजर आए। इसके बाद अय्यर ने दर्शकों की तरफ इशारा करते हुए इस विकेट का जश्न मनाया, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया और फैंस भी इस पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

डी कॉक का शतक और मुंबई का मजबूत स्कोर

अगर मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए। टीम की ओर से क्विंटन डी कॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने 60 गेंदों पर 186 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी में 8 चौके व 7 छक्के लगाए। उनके अलावा नमन धीर ने भी 31 गेंदों में 50 रन की अहम पारी खेली।

पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट झटके और इस दौरान अपने 100 आईपीएल विकेट भी पूरे किए।

स्टटगार्ट ओपन 2026 : रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।' इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

निकिता गांधी ने 'तू ही दिसदा' को बताया जेन-जी के लिए खास तोहफा

अक्षय कुमार की आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का का नया रोमांटिक गाना 'तू ही दिसदा' हाल ही में रिलीज हुआ, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह गाना अरिजीत सिंह और निकिता गांधी की शानदार आवाज में हैं। इसका संगीत प्रीतम ने दिया, जबकि बोल कुमार द्वारा लिखे गए हैं। गायिका निकिता गांधी ने हाल ही में बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने गाने को जेन जी जेनरेशन को समर्पित बताया। निकिता का मानना है कि यह गाना आज की युवा पीढ़ी, यानी कि जेन जी के लिए बेहतरीन उदाहरण है। यह गाना सुनकर लगता है जैसे कोई सपना हो, जो दिल में बस जाता है। उन्होंने कहा, 'इस गाने का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। यह एक बहुत ही प्यारा गाना है, जिसके जरिए एक बार फिर मैं, अरिजीत और प्रीतम दादा एक बार फिर साथ में आए। हालांकि, हमने पहले भी कई बेहतरीन गाने दिए हैं और यह भी उनमें से एक है।' गायिका ने आगे गाने की धुन की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि इस गाने की धुन भारतीय है और इसमें देसी टच, पियानो ट्रैक भी है, जो भारतीय रोमांटिक गाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह गाना परफेक्ट है। गायिका ने आगे रीमिक्स और ओरिजिनल गानों पर भी अपने विचार शेयर किए।

उन्होंने कहा कि दोनों अपनी जगह अच्छे हैं। हर चीज के अच्छे और बुरे पहलू होते हैं। रीमिक्स इसलिए ज्यादा पसंद किए जाते हैं क्योंकि लोग उन गानों से पहले से परिचित होते हैं। निकिता ने कहा, 'जब मैं स्टेज पर पुराना गाना जैसे 'रात बाकी, बात बाकी' का रीमेक गाती हूं, तो कॉलेज गिग या टीचर्स के सामने हर कोई उसे पहचान लेता है।

डेढ़-दो साल से नहीं पी शराब

'एनिमल' की सफलता के बाद से बॉबी देओल लगातार बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। वो कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। वहीं आने वाले वक्त में भी उनकी पाइपलाइन में कई बड़ी फिल्में हैं। हालांकि, बीच में जब बॉबी का मुश्किल वक्त था, तब वो शराब के आदी हो गए थे। जिसके चलते उनके रिश्तों और संबंधों पर भी इसका असर दिखने लगा था। लेकिन जल्द ही बॉबी को अपनी इस गलती का एहसास हो गया और उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया। हाल ही में बॉबी ने अपने उस वक्त को याद किया और एक अभिनेता के लिए उसका चेहरा और शरीर कितना जरूरी होता है, इसको लेकर बात की। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान बॉबी ने कहा कि एक अभिनेता के लिए आपका शरीर और आपका चेहरा ही वो चीजें हैं जिन्हें आप बेचते हैं। मैं इसके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं कुछ साल पहले की तुलना में जल्दी थक जाता हूं। मुझे अपना ज्यादा ख्याल रखना होगा। मैं अब पिछले डेढ़ साल से शराब नहीं पी रहा हूं। शराब छोड़ने से मेरे आसपास का माहौल भी बदल गया है। इस दौरान मुझे इसकी कमी भी महसूस नहीं होती। बल्कि, मैं सोचता रहता हूं कि अरे, ये इतना आसान था? दो जन्मदिन और दो नए साल बीत गए हैं और मुझे शराब पीने की इच्छा नहीं हुई। इसने मुझे हैरान कर दिया।

पिता धर्मेंद्र को भी थी शराब की लत

बॉबी ने अपने पिता धर्मेंद्र की शराब की लत के बारे में बताते हुए कहा कि मैंने देखा है कि यह क्या कर सकती है। शराब छोड़ने से मुझे किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में शारीरिक और भावनात्मक रूप से मौजूद रहने में मदद मिली है। इससे मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता सबसे ज्यादा मजबूत हुआ है।

'सैयारा' की रोमांटिक इमेज छोड़

अब रफ लुक में दिखेंगे अहान पांडे

फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. अपनी पहली फिल्म में रोमांटिक इमेज बनाने वाले अहान अब डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक अलग लुक में नजर आएंगे. बॉलीवुड एक्टर अहान पांडे इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. फिल्म 'सैयारा' में अपनी मासूमियत और रोमांटिक अंदाज से सबका दिल जीतने के बाद, अहान अब बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक दमदार और अनोखे किरदार में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के जरिए अहान अपनी रोमांटिक बॉय वाली इमेज को पूरी तरह बदलने जा रहे हैं, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट बनी हुई है.

गैंगस्टर के रोल में आएंगे नजर

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अहान पांडे इस नई फिल्म में एक गैंगस्टर का किरदार निभा रहे हैं. इस रोल के लिए खुद पर खास काम करना शुरू कर दिया है. फिल्म की शूटिंग 3 अप्रैल से मुंबई में शुरू हो चुकी है. मुंबई का शेड्यूल पूरा करने के बाद फिल्म की पूरी टीम आगे की शूटिंग के लिए लंदन रवाना होगी. मेकर्स का लक्ष्य है कि साल 2027 की शुरुआत तक इस फिल्म को पूरा कर लिया जाए.

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर भड़के विजय वर्मा

विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मटका किंग' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्टर सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और ऑनलाइन मिलने वाली अनावश्यक नफरत के बारे में खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि इसीलिए उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला भी किया, जिससे उन्हें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने में काफी फायदा मिला।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग से परेशान हुए विजय

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक समय बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल बन गए थे। हालांकि, दोनों का रिलेशनशिप ज्यादा लंबा नहीं चल सका और दोनों शांतिपूर्वक एक-दूसरे से अलग हो गए। लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों के ब्रेकअप को लेकर काफी चर्चाएं हुईं और दोनों के फैंस ने एक-दूसरे को ट्रोल किया।

'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक जारी

रानी और संजना का दिखेगा अलग अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही आगामी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' में नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक मेकर्स ने जारी कर दिया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक पोस्ट किया। इसमें रानी संजना की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां साड़ी में बेहद आकर्षक लग रही हैं। संजना पांडेय ने सिर पर पल्लू ओढ़ रखा है, जबकि रानी चटर्जी बिना पल्लू के साड़ी में हैं, जो उनका स्टाइलिश अंदाज दिखाता है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा, 'भोजपुरी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक।

मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म स्टारकास्ट बड़ी दिलचस्प है। इसमें रानी और संजना के अलावा, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे स्टार्स नजर आएंगे। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक देखने को मिलेगी। इससे पहले रानी चटर्जी ने शूटिंग के दौरान मुहूर्त की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उस समय सेट पर दोनों अभिनेत्रियों के बीच मजेदार पल भी देखने को मिले थे। अब फर्स्ट लुक पोस्टर जारी होने के बाद फैंस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा में रानी चटर्जी काफी लोकप्रिय हैं। वे अपनी डांसिंग स्किल्स और बोल्ड रोल्स के लिए जानी जाती हैं। संजना पांडेय भी भोजपुरी फिल्मों में अच्छी पहचान बना चुकी हैं। दोनों अभिनेत्रियों की यह जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी, जिससे फैंस में काफी उत्साह है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो टीमों पर हमले, 3 कर्मचारी अगवा, एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पोलियो टीकाकरण टीमों को निशाना बनाकर किए गए अलग-अलग हमलों में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले से तीन टीकाकरण कर्मियों के अपहरण की भी खबर है। बलूचिस्तान के नासिराबाद जिले के डेरा मुराद जमाली इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीम पर उस समय हमला किया जब वे विश्राम कर रहे थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आसिफ खानजादा के अनुसार, महिला स्वास्थ्य कर्मियों सहित सुरक्षाकर्मियों का दल दोपहर के भोजन के लिए एक छायादार स्थान पर रुका था। तभी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल फरहान बशीर की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। नासिराबाद के उपायुक्त जुल्फिकार अली कर्रार ने स्पष्ट किया है कि इस कायराना हमले के बावजूद राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हांगू जिले के समाना रोड पर एक सशस्त्र हमलावर ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें कांस्टेबल मोहम्मद अनस घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बन्नू जिले के झंडोखेल इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने पोलियो टीम के तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। ये कर्मी नियमित टीकाकरण अभियान पर थे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इससे दो दिन पहले भी हांगू के चापरी वज़ीरान इलाके में एक कांस्टेबल की हत्या कर दी गई थी और चार अन्य घायल हुए थे।

तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की :9 की मौत

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच 34 साल बाद हो रही वार्ता का किया स्वागत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर से साफ किया है कि इजरायल और लेबनान के बीच संभावित सीजफायर ईरान के साथ उसकी बातचीत का हिस्सा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय समयानुसार गुरुवार को यानी इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत होगी। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'इजराइल और लेबनान के बीच थोड़ी राहत दिलाने की कोशिश कर रहा हूं। दोनों नेताओं ने लगभग 34 साल से बात नहीं की है। अब बात होगी। बढ़िया।' हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता में कौन-कौन शामिल होंगे। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर होने के बाद ईरानी पक्ष की तरफ से ये दावा किया कि इजरायल ने लेबनान पर हमला करके सीजफायर का उल्लंघन किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया था। इजरायल और लेबनान के बीच लगभग 34 सालों में पहली बार उच्चस्तरीय बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच अमेरिका मध्यस्थ का काम कर रहा है। वॉशिंगटन इजरायल की उत्तरी सीमा पर तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने

लेबनान में युद्धविराम के लिए नहीं कहा था और यह ईरान के साथ शांति बातचीत का हिस्सा नहीं था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और लेबनान के बीच शांति समझौते के हिस्से के तौर पर लेबनान में दुश्मनी खत्म होने का स्वागत करेंगे। रुबियो की मौजूदगी में लेबनान और इजरायल के बीच दुर्लभ सीधी बातचीत सालों में पहली बार हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बातचीत को तनाव कम करने और शायद एक बड़े समझौते का रास्ता खोलने की दिशा में एक कदम बताया। एक और सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका एक टिकाऊ शांति चाहता है, लेकिन उसने तुरंत सीजफायर की मांग नहीं की है। अमेरिका का ध्यान दोनों सरकारों के बीच भरोसा बनाने पर है ताकि हम शांति समझौते के लिए जगह बना सकें और भविष्य में होने वाली कोई भी समझ टिकाऊ हो सके। दोनों पक्षों को पॉलिटिकल माहौल बनाने की जरूरत है। अमेरिकी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन तनाव कम करने का समर्थन तो करता है, लेकिन वह बातचीत के अलग-अलग रास्तों को नहीं जोड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का इजरायल और लेबनान के बीच चल रही शांति वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है। इजरायल लेबनान में एक अल्पकालिक युद्धविराम पर विचार कर रहा है, जो लगभग एक सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हिजबुल्लाह इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन विभिन्न वार्ता प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता को इजरायल-लेबनान शांति वार्ता से अलग रखा गया है। लेबनान में तनाव के हालात तब से हैं, जब इजरायल ने इस साल की शुरुआत में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के बाद सैन्य अभियान शुरू किया था। इस संघर्ष ने बड़ी संख्या में नागरिकों को विस्थापित किया है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। वॉशिंगटन की मौजूदा रणनीति तत्काल समाधान के बजाय धीरे-धीरे प्रगति पर केंद्रित है, ताकि जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से बचा जा सके और स्थायी शांति का रास्ता तैयार हो सके।

ईरान में अब ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं।

यूक्रेन को ब्रिटेन से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज

लंदन , एजेंसी। यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग-अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह त7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना

है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं, जिनके उत्पादन के लिए यूरोप में अतिरिक्त फंडिंग भी बढ़ाई जा रही है।

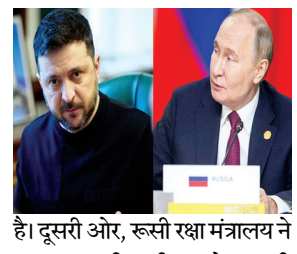

हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले; जंग तेज हुई तेज

तेलअवीव, एजेंसी। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का 'तेबनीन सरकारी अस्पताल' गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग-अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि डब्लयूएचओ प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। डब्लयूएचओ प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है। अल जजीरा के अनुसार, एक अन्य घटना में, दक्षिण लेबनान के मईफादौन में इस्राइली हमलों में कम से कम चार पैरामेडिक्स की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकारों पर समझौते से किया इनकार, यूएस पर युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने पश्चिमी मीडिया में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर फैल रही अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब

तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। पाकिस्तान में हाल ही में हुई ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर संवर्धन से जुड़ी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी। लेबनान प्रतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा 'वैध प्रतिरोध' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध समाप्त करना भी उस सीजफायर समझौते का हिस्सा था, जिस पर इस्लामाबाद वार्ता में चर्चा हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरा पक्ष (इजरायल) शुरू से ही सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है। बाघेई ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत यदि एक पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को भी अपनी जिम्मेदारियों को उसी अनुपात में समायोजित करने का अधिकार होता है।

उन्होंने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया कि ईरान ने लेबनान में प्रतिरोध मोर्चों का समर्थन कम किया है। बाघेई ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर यूरोपीय प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान और उसके क्षेत्रीय साझेदार इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का संरक्षक रहा है और पिछले 40 दिनों में जो भी व्यवधान हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाहरी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय स्थिति और जटिल हो सकती है।

ईरान के साथ तनाव के चलते अमेरिका में गैस की कीमतों के पूर्वानुमान पर छाई अनिश्चितता

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों के भविष्य को ईरान संघर्ष में हो रहे घटनाक्रमों से जोड़ दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि पेट्रोल की कीमतों में लगातार गिरावट इस बात पर निर्भर करेगी कि होरमुज़ जलडमरूमध्य दोबारा खोला जाता है या नहीं और चल रही वार्ताओं में कितनी प्रगति होती है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार (स्थानीय समय) व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि गैस की कीमतों में कमी का समय अभी अनिश्चित है। उन्होंने ईरान से जुड़े तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई बाधाओं का हवाला दिया। बेसेंट ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि 20 जून से 20 सितंबर के बीच किसी समय हम फिर से 3 डॉलर प्रति गैलन गैस देख सकते हैं,' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि बातचीत कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि होरमुज़ जलडमरूमध्य अभी 'पूरी तरह से दोबारा नहीं खोला गया है,' और यह भी जोड़ा कि जैसे ही शिपिंग मार्ग सामान्य संचालन में लौटेंगे, ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे। बेसेंट ने कहा कि मध्य पूर्व के वित्त मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां सुधरते ही तेल उत्पादन तेजी से फिर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही जलडमरूमध्य खुलता है, वे एक सप्ताह के भीतर फिर से उत्पादन शुरू कर सकते हैं।' प्रशासन ने कहा कि वह ईंधन की कीमतों पर नजर बनाए हुए है और खुदरा विक्रेताओं से अपील की है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि मौजूदा मूल्य दबाव ईरान की स्थिति से जुड़े एक व्यापक रणनीतिक प्रयास को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह संयुक्त राज्य अमेरिका के दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्य के लिए एक अल्पकालिक व्यवधान है।' इन प्रयासों का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। लेविट ने कहा कि जैसे ही ऑपरेशन समाप्त होंगे और जलडमरूमध्य फिर से खुलेगा, प्रशासन को उम्मीद है कि ईंधन की कीमतें घटेंगी। साथ ही उन्होंने घरेलू ऊर्जा उत्पादन पर सरकार के ध्यान का भी उल्लेख किया।

बेसेंट ने इस दृष्टिकोण को 'अल्पकालिक अस्थिरता, दीर्घकालिक लाभ के लिए' बताया। साथ ही, यह संकेत दिया कि अस्थायी आर्थिक दबाव एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। प्रशासन ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर करने के प्रयासों पर भी जोर दिया, जिसमें सहयोगी देशों और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ समन्वय शामिल है।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी, भ्रम में न पड़े अमेरिका

तेहरान, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं : इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन

से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है।

आसिम मुनीर ही हैं असली मालिक ! पाकिस्तान के पूर्व मंत्री बोले- ट्रंप ने तो शरीफ का नाम तक नहीं लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ताओं के संदर्भ में पाकिस्तान चर्चा के केंद्र में है, तो एक जाना-पहचाना सवाल फिर से सामने आया हैः इस्लामाबाद में इस मध्यस्थता का नेतृत्व असल में कौन कर रहा है? पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही 'पाकिस्तान का नेतृत्व कर रहे हैं' और सारे फैसले लेने का अधिकार उन्हीं के पास है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका-ईरान मध्यस्थता वार्ता की कमान किसके हाथों में है, तो चौधरी ने कहाः ईमानदारी से कहूं तो इसमें कोई दो राय नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वे ही पाकिस्तान के वास्तविक (ष्ठद्ग द्धड्डष्ह्लश्) नेता हैं। अभी निर्णय लेने की सारी शक्ति फील्ड मार्शल (सीडीएफ) के पास ही है... यहां तक कि कल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनरल असीम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया, और उन्होंने (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ का नाम लेने की जहमत तक नहीं उठाई।

ईरान गया पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल : ईरान की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का एक विशेष संदेश लेकर ईरान पहुंचा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के बीच दूसरे दौर की बातचीत की रूपरेखा भी तैयार कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बघाई ने भी अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हुई पिछली चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुका है।

पहली वार्ता रही बेनतीजा और अमेरिका की 'अवास्तविक' मांगें : पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी ठोस या निर्णायक नतीजे पर पहुंचने में विफल रही थी। एएफपी न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता बघाई के हवाले से बताया कि रविवार को जब से ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस तेहरान लौटा है, तब से पाकिस्तान के माध्यम से दोनों देशों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान किया गया है। बघाई ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली वार्ता के दौरान अमेरिका की कुछ मांगें बेहद अनुचित और अवास्तविक थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे मांगें वास्तव में क्या थीं।

डोनाल्ड ट्रंप का बयान और अमेरिकी नाकेबंदी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात के संकेत दिए हैं कि तेहरान के साथ शांति वार्ता इसी सप्ताह फिर से शुरू हो सकती है। बातचीत की यह कोशिश ऐसे तनावपूर्ण माहौल में हो रही है जब अमेरिकी सेना ने समुद्र में कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी कर दी है। अमेरिका का दावा है कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान के साथ होने वाला समुद्री व्यापार पूरी तरह से कट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि पाकिस्तान में ईरान के साथ एक नए दौर की बातचीत 'अगले दो दिनों के भीतर' होने वाली है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.